कांग्रेस और उसके सहयोग को... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ... 11

वर्ष - 02, अंक - 16 | गाजियाबाद / सोमवार 20 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

सागर मिशन पर एक साथ निकले 16 देशों के नौसैनिक

- थाईलैंड से ऑपरेशनल तैनाती पर बढ़ा आईएनएस सुनयना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुनयना थाईलैंड के फुकेत से अपने अगले मिशन के लिए रवाना हो गया है। वह इंडियन ओशन शिप सागर मिशन के तहत वहां तीन दिनों के दौरे पर था। इससे पहले उसने मालदीव के माले अपनी पहली ऑपरेशनल तैनाती पूरी की थी। फुकेत में अपने तीन दिनों ठहराव के दौरान आईएनएस सुनयना ने थाईलैंड की रॉयल थाई नेवी के साथ कई अहम गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद 17 अप्रैल को अपने अगले ऑपरेशनल तैनाती के लिए रवाना हो गया। इसमें पेशेवर बातचीत, संयुक्त

अभ्यास और आपसी तालमेल बढ़ाने के कार्यक्रम शामिल थे। इन गतिविधियों का मकसद दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना और समुद्री सुरक्षा के मुद्दों पर बेहतर समन्वय बनाना था। इस दौरान जहाज के कमांडिंग ऑफीसर कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने थाईलैंड नौसेना के तीसरे चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल सथापोर्न वजारत से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, सहयोग और भविष्य में संयुक्त अभियानों को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले यह जहाज अपनी पहली ऑपरेशन तैनाती के लिए मालदीव पहुंचा था। माले की यात्रा के दौरान जहाज पर सवार अंतरराष्ट्रीय दल ने समुद्री कौशल, छोटे हथियारों के संचालन और क्षति नियंत्रण से जुड़े गहन प्रशिक्षण अभ्यास किए।

चारधाम यात्रा का हुआ शंखनाद गंगोत्री-यमुनोत्री के खुले कपाट

- बाबा केदार के दर्शन के लिए करना होगा बस थोड़ा और इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को उत्तराखंड की पहाड़ियों में शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। उत्तरकाशी जिले में स्थित मां गंगा और मां यमुना के धामों गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट सुबह शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही

हजारों भक्तों ने मां के दर्शन कर अक्षय पुण्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक पंचांग को देखते हुए 22 अप्रैल, 2026 को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। वहीं, 23 अप्रैल, 2026 को बद्रीनाथ धाम के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

गंगोत्री और यमुनोत्री का धार्मिक महत्व

चारधाम यात्रा की शुरुआत पारंपरिक रूप से यमुनोत्री से होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमुना जी सूर्य की पुत्री और यमराज की बहन हैं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुनोत्री के शीतल जल में स्नान करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और यम की प्रताड़ना से मुक्ति मिलती है।

कहीं स्कूल बंद तो कहीं बदला टाइम, उत्तर से दक्षिण तक बदलाव

देश भर के स्कूलों में भीषण गर्मी का टॉर्चर

- महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तापमान 45 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6, तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44 डिग्री भी शामिल रहा। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 43 से ज्यादा रहा। यानी मई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। हीटवेव ने लोगों की मुसिबत बढ़ा दी है। पारा 40 डिग्री से पार पहुंच गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में यह जल्द 44 डिग्री को छू लेगा। कई राज्यों ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए हैं।

ओडिशा में छुट्टी, केरल में स्पेशल क्लासेस भी बंद

ओडिशा के कई जिलों में भीषण गर्मी की वजह से बंद करने का फैसला लिया गया है। इनमें बलांगीर, सुबरनापुर और कालाहांजी शामिल हैं। इन जिलों में 18 से 21 अप्रैल तक स्कूल और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा राज्य सरकार ने पहले ही स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया है। स्कूल अब सुबह 6.30 बजे से 10.30 बजे तक खोले जा रहे हैं। ताकि बच्चे दोपहर को पड़ने तेज गर्मी से सुरक्षित रह सकें और ठीक समय पर घर पहुंच जाएं। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के बाद केरल सरकार ने सभी स्कूलों में समर वेकेशन घोषित कर दिया है। साथ ही गर्मी की छुट्टियों में स्पेशल क्लासेस को लेकर सख्ती दिखाई है।

छत्तीसगढ़ में स्कूल बंद एमपी में नई टाइमिंग

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने सभी

सरकारी, प्राइवेट और सहायता प्राप्त स्कूलों में 20 अप्रैल से 15 जून 2026 तक गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। मध्य प्रदेश के सतना जिले में गर्मी के चलते स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। अब सभी स्कूल सुबह 7.30 बजे खुलेंगे और दोपहर 12.30 बजे तक चलेंगे।

झारखंड में सुबह 6.45 बजे खुलेंगे स्कूल

अनएडेड स्कूल्स एसोसिएशन के एक निर्देश के अनुसार, सोमवार से सभी संबद्ध प्राइवेट स्कूलों में नया समय लागू करना अनिवार्य है। राज्य के सभी प्राइवेट स्कूलों में सुबह 6.45 बजे अपनी क्लास शुरू करनी होगी और 11.30 बजे खत्म करनी होगी। उम्मीद है कि इस कदम से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि बच्चे दोपहर से पहले, जब गर्मी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, अपने घर लौट आएं।

अब देश में लग्जरी क्रूज का अनुभव ले रहे लोग

गंगटोक से लेकर यूरोप तक युवाओं की बदली पसंद

ईरान-यूएस युद्ध के असर ने पर्यटकों का रुख मोड़ा

रोहतक (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण वैश्विक तनाव, युद्ध के माहौल के बीच यात्रियों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक ओर लोग गंगटोक, गोवा, केरल और दार्जिलिंग जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरोप, दक्षिण अफ्रीका की बुकिंग में उछाल आया है। इसके पीछे बड़ी वजह युद्ध के कारण पैदा हुई

अस्थिरता और सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता है। जो गंतव्य पहले ज्यादा लोकप्रिय नहीं थे, वे अब तेजी से यात्रियों की पसंद बनते जा रहे हैं। ट्रैवल एजेंसी के मालिक रोहित खुराना ने बताया कि इस सीजन में यूरोप के देशों इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और फिनलैंड के लिए करीब 200 से 300 एडवांस बुकिंग हो चुकी हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए भी 40 से 50 बुकिंग की गई हैं।

घरेलू पर्यटन को मिला बढ़ावा

लोग लग्जरी क्रूज का अनुभव लेने के लिए दुबई जाना पसंद करते थे, अब सुरक्षा व खर्च को देखते हुए देश में ही क्रूज यात्रा को प्राथमिकता दी जा रही है। कम लागत, आसान पहुंच और सुरक्षित माहौल के चलते लोग अब दुबई की बजाय देश में ही लग्जरी क्रूज जैसा अनुभव लेना पसंद कर रहे हैं।

- ईरान बोला-होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे

अमेरिका पर भरोसा नहीं हालात बिगड़ सकते हैं

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा।

होर्मुज से 2 और जहाज वापस लौटे

होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रविवार को लगभग पूरी तरह ठप है। शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, फारस की खाड़ी से बाहर निकल रहे एलपीजी के दो टैंकर बीच रास्ते से ही वापस लौट गए। एजेंसी के मुताबिक, मेडा और जी समर नाम के ये दो जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। मेडा एक भारतीय कंपनी का जहाज है, जो शनिवार देर रात यूएई के पास से निकला था, जबकि जी समर चीन का जहाज है, जो कुवैत से रवाना हुआ।

ईरान का दावा- जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

ईरान की खुफिया एजेंसी ने कहा है कि उसने अमेरिका, इजराइल और ब्रिटेन से जुड़े जासूसी और साजिश नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई दक्षिण-पूर्वी ईरान के केरमान शहर में की गई। अल जजीरा के मुताबिक, खुफिया जानकारी जुटाने, हथियारबंद संगठन बनाने और अशांति भड़काने के आरोप में 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, कई जासूसी नेटवर्क और उनसे जुड़े समूहों की पहचान कर उन्हें खत्म करने का भी दावा किया गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता और सिर्फ आत्मरक्षा में कदम उठा रहा है।

बांग्लादेश में भारत के नए राजदूत होंगे दिनेश त्रिवेदी!

- पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच मोदी सरकार का बड़ा दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच मोदी सरकार ने एक तगड़ा दांव खेला है। केंद्र पूर्व केंद्रीय मंत्री, बीजेपी नेता और बैरकपुर से सांसद दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का हाई कमिश्नर बनाकर भेज सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय बाद पड़ोसी

देश में पहले राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति के तौर पर त्रिवेदी करियर डिप्लोमैट प्रणय वर्मा की जगह लेंगे। प्रणय वर्मा अब ब्रसेल्स जाकर भारत के राजदूत का पद संभालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक त्रिवेदी के लिए ढाका में तारिक रहमान सरकार से सहमति मांगी जाएगी। 75 वर्षीय अनुभवी राजनेता को बांग्लादेश में भारत के दूत के तौर पर भेजने का फैसला विदेश मंत्रालय के राजनयिकों के लिए जवाबदेही का एक संदेश भी है।

- पीएम मोदी की रैली के बाद ममता-अखिलेश का पलटवार

महिला आरक्षण पर आर-पार का शुरू हुआ 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक से जुड़ा संशोधन पास नहीं हो पाया। इसके बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। पीएम मोदी ने संशोधन के ना पास होने के लिए मुख्य तौर पर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगाल के बांकुरा में बड़ी जनसभा थी और उसमें उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देखा संसद में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकार वाले विधेयक को विपक्ष ने गिरा दिया।

पीएम मोदी ने ममता सरकार को बताया निर्मम

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन को गिराना टीएमसी और कांग्रेस की सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं के साथ टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार को निर्मम बताया और कहा कि यहां पर जो जनसमर्थन दिख रहा है, वह सरकार के खिलाफ गुस्से का संकेत है। महिला आरक्षण का जिक्र कर पीएम मोदी ने कहा महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की लंबे समय से मांग थी।

ममता ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

हालांकि पीएम मोदी के बयान के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने देश को ईमानदारी से संबोधित करने के बजाय गुमराह करना चुना। मैं यह बात रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं। तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए ज्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है। संसद और राज्य विधानसभा, दोनों में हमारे चुने हुए महिला प्रतिनिधियों का अनुपात सबसे ज्यादा है। लोकसभा में हमारे चुने हुए सदस्यों में से 37.9 फीसदी महिलाएं हैं। राज्यसभा में हमने 46 फीसदी महिला सदस्यों को नामित किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता और न कभी उठा है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम जिस बात का मूल रूप से विरोध करते हैं, वह है परिसीमन की प्रक्रिया। वहीं अखिलेश यादव ने भी पीएम के बयान पर विरोध जताया है और खुद को महिला हितैषी बताया है।

लोकसभा में द्रौपदी के चीरहरण जैसा हुआ बर्ताव

सपा के पास पाप धुलने का मौका था, आधी आबादी माफ नहीं करेगी

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को भाजपा और सहयोगी दलों के साथ लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान संसद में महिला आरक्षण बिल को लेकर सपा-कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। योगी ने कहा- संसद में महिला सांसदों की संख्या 78 है। पीएम मोदी इसे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस-सपा बैरियर बने। सपा के पास गेस्ट हाउस कांड के पाप धोने का मौका था। ये चाहते हैं कि सब कुछ उनके परिवार को मिले। किसी अन्य नारी को न मिले, इसलिए बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा- 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मंजूर हुआ था। 2029 से इसे लागू करने के लिए नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल लाया गया। विशेष सत्र बुलाया गया। पीएम मोदी ने कहा था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। लोकसभा और विधानसभा में सीट बढ़ाएंगे। पीएम ने दक्षिण के राज्यों को आश्वासन दिया कि उनका हक कम नहीं होगा। पूरा सदन एकजुट होकर नारी शक्ति को 2029 से उनका अधिकार दे दे, लेकिन सदन में इंडी गठबंधन का जो व्यवहार था, यह द्रौपदी के चीरहरण जैसा था। किस तरह की भाषा का उपयोग किया गया।

विपक्ष के नारी विरोधी आचरण के कारण आक्रोश

योगी ने कहा- नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल के दौरान इंडी गठबंधन के दलों का जो आचरण रहा है, वह पूरे देश ने देखा है। मोदी ने देश की सत्ता संभालते ही कहा था कि देश के अंदर चार ही जाति हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। जिन लोगों ने भारत को कमजोर करने की नीयत से अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए देश को लूटा है, उनके लिए यह चुनौती थी। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने हर प्रगतिशील कदम का विरोध किया। आधी आबादी के मन में विपक्ष के नारी विरोधी आचरण के कारण भारी आक्रोश है।

सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू कीं

योगी ने कहा- नारी शक्ति के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का पहला प्रस्ताव पारित किया। डबल इंजन सरकार ने बेटी के पैदा होने से उसकी पढ़ाई तक की व्यवस्था की है। 26 लाख बेटियों को लाभ मिला है। सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। इसका महिलाओं को लाभ मिला है। इससे महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिफेंस सहित सभी क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाया है।

सपा ने मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की बात की है

योगी ने कहा- इंडी गठबंधन षड्यंत्र करता है। यदि बिल पास होता तो नारी शक्ति को अधिकार मिलता। सपा ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की बात की। सपा वाले संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन बाबा साहब ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि भारत बार-बार विभाजन नहीं झेल सकता है, लेकिन सपा ने मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की मांग की। सपा वाले तब कहां थे, जब कांग्रेस ने शाह बानो केस में मुस्लिम महिलाओं का हक मारा था, तीन तलाक कानून का भी इंडी गठबंधन ने विरोध किया था। ये उनके दोहरे आचरण को दिखाता है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन को देश में सबसे अधिक समय तक शासन करने का मौका मिला, लेकिन इन्होंने नारी, किसान, युवा और गरीब के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की तैयारी में विपक्ष

दोबारा नोटिस देंगे, मार्च में एक बार खारिज हो चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें टाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है।

कांग्रेस को लोकसभा में सिर्फ गांधी परिवार की महिला चाहिए : दिल्ली सीएम

–विपक्ष पर 'कोटे में कोटा' बहाने से बिल रोकने का आरोप

–प्रियंका गांधी पर सिर्फ गांधी परिवार की महिलाओं को बढ़ावा देने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक का पारित नहीं होना निराशाजनक है। स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी देश की बेटी को अधिकार नहीं मिला। लोकसभा व विधानसभा में पहुंचने के लिए वह वर्षों से संघर्ष कर रही हैं। लड़की हूं लड़ सकती हूं कहने वाली वह लड़कियों की लड़ाई को छोड़कर भाग गईं। वह कहती हैं कि लोकतंत्र की जीत हुई है। उनसे मैं पूछना चाहती हूं कि बेटियों के स्वाभिमान की हार में लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है?

प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि 30 वर्षों के संघर्ष के बाद लगा था कि महिलाओं के अधिकार देने वाला विधेयक लोकसभा में पारित होगा। केंद्र सरकार को उम्मीद थी महिलाओं को अधिकार देने के लिए सभी दल एकजुट होकर इसे पारित करेंगे, लेकिन विपक्ष ने साथ नहीं दिया। कोटे में कोटा, परिसिमन के बिना तो अन्य बहाने बनाकर इस विधेयक को रोक दिया।

सच्चाई यह है कि वर्ष 2023 के विधेयक की सभी प्रविधान इस बार के विधेयक में था। उस विधेयक का समर्थन करने के बाद फिर विपक्ष ने इस बार विरोध क्यों किया? प्रधानमंत्री ने इस विधेयक में सबसे बेहतर फॉर्मूला दिया था। इसमें महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलता और पुरुषों की संख्या भी कम नहीं होती। देश की जनता विशेषकर महिलाएं सब कुछ देख रही हैं।

कांग्रेस ने महिलाओं को सिर्फ वोट बैंक समझा: रेखा गुप्ता

मुस्लिम महिलाओं की हितैषी बनने वालों को बताना चाहिए कि तीन तलाक विरोधी कानून का और शाह बानो केस में हुए निर्णय का विरोध क्यों किया था। दरअसल विपक्ष के नेताओं को यह डर लगता है कि उनकी या उनकी परिवार की किसी महिला की सीट पर कोई आम महिला न जीत जाए। प्रियंका वाड्रा गांधी को सिर्फ गांधी परिवार की महिलाएं राजनीति में चाहिए। इसी तरह से समाजवादी पार्टी को सिर्फ मुलायम सिंह के परिवार की महिलाएं लोकसभा में चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस देशहित में काम नहीं करती है। कांग्रेस ने महिलाओं को सिर्फ वोट बैंक समझा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी योजनाओं के केंद्र महिलाएं होती हैं। यही कारण है कि उनके प्रति महिलाओं का स्नेह व आशीर्वाद बढ़ रहा है। इससे विपक्ष भयभीत है। देश की महिलाएं व बेटियां अपनी लड़ाई लड़कर अपना स्थान बनाएंगी। इस लड़ाई में महिलाओं को प्रधानमंत्री मोदी का साथ है। विधायक शिखा राय ने कहा कि भाजपा महिला नेतृत्व को आगे बढ़ा रही है। इसका उदाहरण दिल्ली में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना है। कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियां महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित कर रही हैं।

एमडीएमए सिंडिकेट का भंडाफोड़, चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एमडीएमए बेचने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर चार इन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों में दो नाइजीरियाई शामिल हैं। उनमें एक आदतन अपराधी है जिसे पहले एनडीपीएस के एक मामले में पांच साल जेल की सजा काट चुका है। इन सभी के पास से एक करोड़ रुपये मूल्य की 90 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स जब्त की गई है। साथ ही 37,500 नकद, तीन तौल मशीनें और वितरण के लिए इस्तेमाल होने वाली पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई है। ये लोग पुलिस से बचने के लिए पासवर्ड-आधारित एक्सेस सिस्टम और सीसीटीवी निगरानी का इस्तेमाल कर रहे थे। संयुक्त आयुक्त धीरज कुमार का कहना है कि एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम ने पश्चिमी दिल्ली में सक्रिय नशीले पदार्थों की उच्च-मूल्य वाली आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त कर दिया है। एसीपी कुलदीप सिंह यादव व इंस्पेक्टर शिव कुमार की टीम को छह अप्रैल को पता चला कि गुरमीत सिंह, मुकेश कुमार उर्फ विक्की के साथ मिलकर, गणेश नगर, तिलक नगर से एमडीएमए (क्रिस्टल के रूप में) की तस्करी कर रहा है। पुलिस टीम ने जांच के बाद दोनों को वहां से पकड़ लिया। गुरमीत सिंह की निशानदेही पर एक अलमारी से 69 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया, जबकि मुकेश कुमार उर्फ विक्की के कब्जे से चार ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। इसके अलावा, 112 ज़िप-लॉक पालीथीन बैग, तीन वज़न करने वाली मशीनें, पैकिंग का सामान और 37,500 नकद ज़ब्त किए गए। ये नशीले पदार्थों की तस्करी से कमाए गए पैसे थे। इनसे पूछताछ के बाद 10 अप्रैल को एक नाइजीरियाई मैनकाबो डेविड को गिरफ्तार किया गया, उसके कब्जे से 10.29 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। जांच में उसकी भूमिका सप्लायर के रूप में सामने आई। जिसके बाद, गुरमीत की निशानदेही पर एक और नाइजीरियाई एमेका इमैनुएल को गिरफ्तार किया गया। उससे 7.12 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया। उसके ठिकाने से पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल वाहन और अवैध धंधे से जुड़े मोबाइल जब्त कर लिया गया। जांच से पता चला कि यह सिंडिकेट बहुत ही संगठित और सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था। दिल्ली-एनसीआर में इसके व्यापक संपर्क थे। गुरमीत इस ऑपरेशन का मुख्य साज़िशकर्ता उभरा। यह सिंडिकेट दो वर्षों से तिलक नगर स्थित गणेश नगर में किराए के फ्लैट से 'एस्कार्ट सर्विस' चला रहे थे, जिसका उपयोग उनकी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए किया जा रहा था। एमडीएमए की खरीद पीटर और दो अन्य सप्लायरों से 1200-1600 प्रति ग्राम की दर से की जा रही थी और बाद में इसे ग्राहकों को लगभग 2500 प्रति ग्राम की दर से बेचा जा रहा था। गुरमीत सिंह, ओम विहार फेज-पांच, उत्तम नगर में परिवार के साथ रहता था। मुकेश कुमार उर्फ विक्की उत्तम नगर में परिवार के साथ रहता है। वह गुरमीत सिंह के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था और नशीले पदार्थों के वितरण में मदद करता था। मैनकाबो डेविड नवादा में रहता था वैसे वह लागोस, नाइजीरिया का रहने वाला है वह अपनी पत्नी के साथ दो सालों से भारत में, तिलक नगर इलाके में रह रहा था।

भारत की सभ्यतागत शक्ति का आधार नारी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'नारी शक्ति, जिसे हमारी परंपरा में सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में देखा जाता है, भारत की सभ्यतागत शक्ति का आधार है यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज किंग्सवे कैंप स्थित ब्रह्मा कुमारी, शांति भवन में आयोजित 'रन फॉर मदर अर्थ' के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारतञ्च2047 का लक्ष्य महिलाओं की समान भागीदारी और नेतृत्व के बिना संभव नहीं है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों से संवाद करते हुए उन्होंने इस पहल को पर्यावरण जागरूकता, नागरिक उत्तरदायित्व और सामाजिक चेतना का एक सशक्त संगम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप जागरूक, उत्तरदायी और उद्देश्यपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा महिलाओं की भागीदारी को उन्होंने सार्वजनिक जीवन में बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व की दिशा में एक सकारात्मक संकेत बताया।

महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में गुप्ता ने संसद में हाल ही में प्रस्तुत संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, जिसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस विधेयक की प्रस्तुति महिलाओं के प्रतिनिधित्व को शासन व्यवस्था के केंद्र में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

हालांकि, लोकसभा में इस विधेयक के पारित न हो पाने को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की दिशा में ÷लोकतांत्रिक प्रगति का एक काला दिन÷ करार दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विधायी और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलना संस्थागत सुधार की गति पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

गुप्ता ने जोर देते हुए कहा कि जब तक महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक विकसित भारत @2047 का लक्ष्य अधूरा रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला नेतृत्व केवल समानता का विषय नहीं, बल्कि संतुलित और प्रभावी शासन के लिए अनिवार्य आवश्यकता है।

युवा सशक्तिकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि 'रन फॉर मदर अर्थ' जैसे आयोजन एक जागरूक और जिम्मेदार पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विशेष रूप से युवा महिलाओं को अवसर, पहचान और नेतृत्व प्रदान करना एक सशक्त और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण की कुंजी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। गुप्ता ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवा सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को एक मंच पर लाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहलें समाज में सकारात्मक सहभागिता को बढ़ावा देंगी और एक समावेशी एवं प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण को सुदृढ़ करेंगी।

साहस और दृढ़ता का प्रतीक है पंजाब : एलजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने रविवार को कहा कि पंजाब की कहानी उसके लोगों के साहस और दृढ़ता का प्रतीक है। कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित न्यू पंजाब : बिल्डिंग एंड एजेंडा बियांड क्राइसिस सम्मेलन में उन्होंने पंजाब के विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिपर जोर दिया। उप राज्यपाल ने कहा कि पंजाब की छाप राज्य से बाहर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह विरासत केवल एतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के विकास के लिए भी प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा में निवेश, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही ऐसे मजबूत और टिकाऊ संस्थान विकसित किए जाने चाहिए जो पंजाब की इन मूलभूत शक्तियों को प्रतिबिंबित करें। सम्मेलन में अलग-अलग विशेषज्ञों और प्रतिभागियों ने पंजाब के सामने मौजूद चुनौतियों और उनसे निपटने के उपायों को साझा किया। कार्यक्रम में राज्य के समग्र और सतत विकास के लिए ठोस नीति निर्माण पर जोर दिया गया।

धूल के चलते बेहद खराब श्रेणी में पहुंची नौ इलाकों की हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में एक बार फिर प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। धूल भरी हवाओं के चलते रविवार को नौ इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। हवा में इस समय प्रदूषक कणों का स्तर सामान्य से पौने तीन गुना ज्यादा है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से धूल उड़ाने वाली हवाएं चल रही हैं। इसके चलते हवा में धूल की मात्रा बढ़ी है और हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। शुक्रवार को दिल्ली की हवा दिन के समय खराब श्रेणी में रही थी। हालांकि, शाम को हुई आंधी-बारिश के बाद वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ। जिससे शनिवार को वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार देखा गया। लेकिन, रविवार को फिर से प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 258 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह सूचकांक 152 के अंक पर रहा था। यानी एक दिन के भीतर ही सूचकांक में 106 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, दिल्ली के लोगों के लिए चिंता की बात यह है कि रविवार की शाम चार बजे नौ इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में रहा। दिल्ली के आनंद विहार इलाके का सूचकांक सबसे ज्यादा 380 के अंक पर रहा।

20 साल बाद बनी दरियापुर की फिरनी रोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बवाना विधानसभा के दरियापुर कलां में समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने 5.73 करोड़ की लागत से निर्मित महत्वपूर्ण फिरनी रोड का लोकार्पण किया। यह सड़क दादा मालदेव तालाब के पास से नांगल मोड़ रोड तक बनाई गई है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिली है। बीते 20 वर्षों से लोगों द्वारा यह सड़क बनाने की मांग की जा रही थी। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज के अनुसार लगभग 20 वर्षों से लंबित यह परियोजना पूर्ण होकर क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गई है। लंबे समय से इस सड़क की मांग की जा रही थी, लेकिन पूर्व में इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। अब इस निर्माण के साथ दरियापुर एवं आसपास के क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली है। इस फिरनी रोड के बनने से अब हजारों लोगों को सुगम, सुरक्षित एवं तेज़ आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इससे यात्रा का समय कम होगा और यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बनेगी।

दिल्ली में 18 साल बाद अप्रैल के महीने में हुई सर्वाधिक बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में हुई बारिश के एक दिन बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2008 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब अप्रैल के महीने में इतनी अधिक वर्षा हुई है।

आंकड़ों के अनुसार शनिवार तक दिल्ली में 27.9 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि अप्रैल 2008 में कुल 38.6 मिमी वर्षा हुई थी।

इस साल अप्रैल की शुरुआत में हुई बारिश ने महीने के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) 16.3 मिमी को काफी पीछे छोड़ दिया है। दिल्ली की प्रमुख वेधशाला सफदरजंग मौसम विज्ञान केंद्र में शनिवार तक कुल 28.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। अन्य मौसम विज्ञान केंद्रों पर भी एलपीए के मुकाबले काफी अधिक वर्षा दर्ज की गई। पालम में 35.8 मिमी, जबकि आयानगर और लोधी रोड में क्रमश~ 36.5 मिमी और 28.1 मिमी वर्षा हुई। शनिवार के आंकड़ों के अनुसार, सफदरजंग में शुक्रवार सुबह 8.30 बजे से शनिवार सुबह 8.30 बजे तक 24 घंटे में 12.4 मिमी बारिश दर्ज की गई जिसके बाद और बारिश नहीं हुई। इसी अवधि में पालम में 18.6 मिमी और लोधी रोड में 12 मिमी वर्षा दर्ज की गई। आईएमडी के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ÷एक दिन की वर्षा के लिहाज से देखें तो सफदरजंग में दर्ज 24 घंटे की बारिश 2023 के बाद सबसे अधिक है, जब एक दिन में 16.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। पालम का आंकड़ा अप्रैल महीने में एक दिन की सातवीं सबसे अधिक वर्षा है।' अधिकारी ने बताया कि अप्रैल में अब तक की सबसे अधिक एक दिन की बारिश 16 अप्रैल 1983 को दर्ज की गई थी, जब सफदरजंग में 134 मिमी और पालम में 117.8 मिमी वर्षा हुई थी। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में सबसे अधिक कुल वर्षा भी 1983 में ही दर्ज की गई थी। बारिश के बाद शनिवार को राजधानी में तापमान में गिरावट देखी गई, हालांकि सुबह आसमान साफ रहा और धूप खिली रही। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम और पिछले दिन से 4.2 डिग्री कम था। अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक लेकिन पिछले दिन से 1.5 डिग्री कम था। अन्य मौसम विज्ञान केंद्रों पर भी न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पालम में न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो शुक्रवार की तुलना में 4.9 डिग्री कम था, जबकि रिज क्षेत्र में यह 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन से 3.9 डिग्री कम था। पालम और रिज में अधिकतम तापमान क्रमश~ 38.6 डिग्री और 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना नहीं है, हालांकि आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, 'आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने का अनुमान है और शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर रहेगा। लू की स्थिति भी बन सकती है।' पूर्वानुमान के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुधरकर मध्यम श्रेणी में आ गया है। शनिवार को शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 152 दर्ज किया गया, जबकि शुक्रवार को इसी समय एक्यूआई 263 था। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। हालांकि, दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) ने अनुमान जताया है कि शनिवार तक एक्यूआई फिर से 'खराब' श्रेणी में पहुंच सकता है और अगले कुछ दिनों तक इसी श्रेणी में बना रह सकता है।

लोधी रोड पर एनडीएमसी ने एक पेड़ मां के नाम लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने रविवार को लोधी रोड स्थित पालिका निवास हाउसिंग कांप्लेक्स में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया। इस मौके पर एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान सिर्फ पौधे लगाने का अभियान नहीं बल्कि एक भावनात्मक संकल्प है। चहल ने कहा कि यह पहल पर्यावरण के प्रति जागरुकता, जिम्मेदारी की भावना और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित विरासत सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चहल ने बताया कि एनडीएमसी की ओर से एक विशेष रविवार हरित कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार को विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही एनडीएमसी के उद्यान, स्वास्थ्य, सिविल एवं स्वच्छता विभाग मिलकर वैज्ञानिक तरीके से पौधारोपण और उनके संरक्षण को सुनिश्चित कर रहे हैं। इस मौके पर आरडब्लूए प्रधान कालूराम राणा, अरविंद शर्मा, श्यामसुंदर गौतम व अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रहलाद विहार में जल पाइपलाइन परियोजना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने रविवार को प्रहलाद विहार में नई जल पाइपलाइन परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से चली आ रही एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। करीब 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पहली बार इस क्षेत्र में जल पाइपलाइन बिछाई गई है जिससे अब स्थानीय निवासियों को स्वच्छ, नियमित एवं निर्बाध जल आपूर्ति का लाभ मिलेगा। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि इस नई पाइपलाइन के शुरू होने से अब हजारों नागरिकों को रोजमर्रा की मूलभूत आवश्यकता के लिए बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को विशेष रूप से इसका लाभ मिलेगा जिन्हें पहले पानी की व्यवस्था के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बेहतर बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार आएगा और क्षेत्र अधिक व्यवस्थित एवं विकसित बनेगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए सरकार और मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

रोहिणी~ मालिक के 17 लाख रुपये हड़पने के लिए कर्मचारी ने रचा लूट का स्वांग, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी में मालिक के 17 लाख रुपये हड़पने के लिए बंदूक का भय दिखाकर लूटे जाने का नाटक रचने के आरोप में पुलिस ने छह घंटे के भीतर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, अभिषेक की शिकायत के आधार पर उत्तर रोहिणी थाने में घटना के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन आया। पुलिस ने बताया कि बाद में अभिषेक की मुख्य षड्यंत्रकारी के रूप में पहचान की गई। एक अधिकारी ने बताया, ''एक मामला दर्ज किया गया और तुरंत जांच शुरू कर दी गई।'' जाँच के दौरान, पुलिस ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी का सहारा लिया। हालांकि, जल्द ही अभिषेक के बयानों में विसंगतियां (विरोधाभास) सामने आने लगीं।

एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान में अभिषेक के बयान में विसंगतियां सामने आईं, उससे लगातार पूछताछ करने और सबूतों के सत्यापन से पता चला कि उसने लूटपाट का नाटक रचा था। अधिकारी ने बताया, 'अभिषेक ने आर्थिक तंगी के कारण अपने मालिक के पैसे हड़पने और लूट का नाटक रचने के लिए अपने साथियों–अनुज, भरत और अजय के रूप में पहचाने गए एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर साजिश रची थी।' उन्होंने बताया कि अनुज और भरत को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि उनकी निशानदेही पर पुलिस ने छह लाख रुपये नकद, एक नकली पिस्तौल और अपराध में कथित रूप से इस्तेमाल किया गया स्कूटर बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को भी हिरासत में ले लिया गया है और उसे आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा शेष रकम को बरामद करने और फरार सह-आरोपी अजय को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली : शराब कारोबारी के घर में बंधक बनाकर लूटपाट के मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पॉश इलाके गोल्फ लिंक्स में शराब कारोबारी के घर में परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर 25 लाख रुपये की लूटपाट के मामले में शनिवार को भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एक घरेलू सहायक और उसके साथी कारोबारी अशोक चावला के परिवार को बंधक बनाकर उनके घर से करीब 25 लाख रुपये के गहने लूटकर फरार हो गए और इस घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे हुई, जब हथियारबंद छह लोग घर में घुस आए और परिवार को बंधक बना लिया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में घरेलू सहायक सुशील की भूमिका मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। इसके लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में छापे मारे जा रहे हैं।

छात्रों को प्रदूषण रोकथाम को लेकर जागरूक किया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी स्कूलों में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर जागरुकता कार्य योजना लागू की गई है। अलग-अलग कार्य दिवस के दौरान कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसमें वाइल्ड लाइफ और जैवविविधता, प्लास्टिक प्रदूषण का अंत, धूल प्रदूषण की रोकथाम और वन महोत्सव सहित कई तरह की योजनाएं शामिल हैं। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने स्कूलों को परिपत्र जारी किया है। पर्यावरण विभाग की बैठक में शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में छात्रों के बीच पर्यावरण के विषयों पर जागरुकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वहीं, स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि कार्यशालाओं और गतिविधियों की रिपोर्ट प्रति माह रिपोर्ट विभाग को देनी होगी।

दानापुर के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यात्रियों की सुविधा के लिए नई दिल्ली से दानापुर के बीच विशेष रेलगाड़ी चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या 04088 नई दिल्ली से 20 अप्रैल से 15 जुलाई तक (21 और 25 मई छोड़कर) प्रतिदिन चलेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04087 दानापुर से 21 अप्रैल से 16 जुलाई तक (22 और 26 मई छोड़कर) प्रतिदिन चलकर नई दिल्ली आएगी। दोनों दिशा में यह गाड़ी कुल 164 फेरे लगाएगी।

अवैध भूजल दोहन पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नजफगढ़ इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध भूजल दोहन के मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार सहित कई संबंधित विभागों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। एनजीटी ने अधिकारियों की कथित लापरवाही और मिलीभगत के आरोपों पर भी चिंता जाहिर की है। एनजीटी में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि नजफगढ़ के पंकज गार्डन इलाके में निजी टैंकर माफिया की ओर से अवैध रूप से भूजल निकाला जा रहा है। इस अवैध गतिविधि के खिलाफ संबंधित विभाग कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जिससे स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल और अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि मामले में उठाए गए मुद्दे गंभीर हैं और संबंधित पक्षों से जवाब लेना जरूरी है। पीठ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रतिवादी इस मामले में अपना पक्ष रखें। इस मामले में दिल्ली सरकार, दिल्ली जल बोर्ड, संबंधित जिलाधिकारी व एसडीएम, दिल्ली पुलिस और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) सहित अन्य को नोटिस जारी किया है। एनजीटी ने मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को तय की है।

दिल्ली सेमीकंडक्टर पॉलिसी का ड्राफ्ट बनाने में जुटी दिल्ली सरकार

–सेमीकंडक्टर नीति से दिल्ली में डिजाइन, अनुसंधान और उद्योग को मिलेगा समन्वित बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली सेमीकंडक्टर पॉलिसी' का ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसका उद्देश्य दिल्ली को सेमीकंडक्टर डिजाइन, उन्नत अनुसंधान एवं विकास तथा असेंबली गतिविधियों के लिए एक सक्षम केंद्र के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह नीति देश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास में दिल्ली की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन चुका है। दिल्ली सरकार इसके संतुलित एवं व्यवस्थित विकास के लिए एक समग्र नीति ढांचा तैयार कर रही है। यह नीति कारोबार सुगमता, नवाचार और उद्योग आधारित इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों प्रकार के प्रोत्साहनों का प्रावधान करेगी। इस नीति से सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों, विशेष रूप से डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास और एडवांस पैकेजिंग में दिल्ली की स्थिति मजबूत होगी। इससे फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनियों और स्टार्टअप्स इकाइयों में निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इसके साथ ही परीक्षण, पैकेजिंग और सेमीकंडक्टर इनपुट से जुड़े सहायक उद्योगों के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि यह नीति चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर अनुसंधान और उन्नत पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगी। इसके साथ ही लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, इंटर्नशिप और उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी के माध्यम से कौशल विकास को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने में सहायक होगी। इस नीति के माध्यम से निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए लक्षित प्रोत्साहन, परिचालन लागत में कमी और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है।

प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और देश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास में दिल्ली की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से दिल्ली में एक सशक्त, नवाचार-आधारित और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित होगा। प्रधानमंत्री का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि 21वीं सदी की डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि तकनीकी संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती का आधार है।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम शौर्य यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, सनातन एकता का दिखा भव्य स्वरूप

मेरठ (शिखर समाचार)
अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी सैकड़ों ट्रैक्टर और वाहनों के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित सातवीं भगवान परशुराम शौर्य यात्रा में श्रद्धा, उत्साह और गौरव के साथ शामिल हुए। यह भव्य यात्रा विभिन्न ब्राह्मण संगठनों और सनातन समाज के साझा मंच द्वारा आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शौर्य यात्रा के दौरान पंडित आदेश फौजी

ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के शौर्य, पराक्रम और उनके आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन अन्याय के खिलाफ संघर्ष, धर्म की रक्षा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके विचारों ने उपस्थित जनसमूह में उत्साह और आत्मगौरव का संचार किया। इस भव्य आयोजन में पश्चिम क्षेत्र के विभिन्न समाजों के लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सैकड़ों वाहनों के काफिले और जयकारों के बीच निकली इस यात्रा ने सनातन संस्कृति, अटूट आस्था और सामाजिक एकता की मजबूत नींव को दर्शाया। पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम में संयुक्त व्यापार संघ के उपाध्यक्ष नीरज मित्तल, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विमल शर्मा, पूर्व विधायक संगीत सोम, पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी, राज्यसभा सदस्य केसी त्यागी, अजय भराला, मांगेराम त्यागी, दीपक शर्मा, नानू पंडित, प्रदीप शर्मा, सोनू डेरियों, बलराज डुंगर, रवि बटजेवरा और सुमित वाल्मीकि सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन को सामाजिक समरसता, भाईचारे और धार्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला बताया।

परशुराम जन्मोत्सव पर महायज्ञ, 3100 आहुतियों के साथ विश्वशांति की कामना

मुरादनगर (शिखर समाचार)। पाइपलाइन मार्ग स्थित पं. मदनमोहन मालवीय पब्लिक स्कूल में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य महायज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ 3100 आहुतियां अर्पित कर समस्त प्राणिमात्र के कल्याण, राष्ट्र की प्रगति और विश्व शांति की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही अतिथियों द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं तथा बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं पत्रकारों को प्रतीक चिन्ह और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं, हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में सराहनीय योगदान देने वाले पुलिस थाना, चामुंडा चौकी एवं चुंगी नंबर-3 चौकी के पुलिसकर्मियों

को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम त्याग, तपस्या और धर्म रक्षा के प्रतीक हैं। उनके आदर्श समाज को सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक विद्यासागर शर्मा ने की, जबकि संचालन सोमदत्त शर्मा और यतीदेव शर्मा ने संयुक्त रूप से किया।
इस अवसर पर यश शर्मा, ओमपाल शर्मा, विजय गौड़ एडवोकेट, लोकेश वत्स, वरुण शर्मा, कैप्टन संजय शर्मा, सतीश शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, प्रमोद कौशिक, बोबी पंडित, प्रवीण शर्मा, आयुष त्यागी, गुलशन राजपूत, शिवा शर्मा, दीपक शर्मा, अभिनव गौड़, आशीष कौशिक, पंकज शर्मा, ओमकार दत्त शर्मा, दुर्गेश शर्मा, सोनल शर्मा, मोनिका शर्मा, मीनम कौशिक, सानिया शर्मा, महेंद्र एडवोकेट, अनिल शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा (मोरटा), गौरव मिश्रा, संदीप शर्मा (बीडीसी), तरुण शर्मा, सचिन शर्मा, मनोज शर्मा, आकाश शर्मा, पं. शिवा शर्मा, राजकुमार शर्मा, मनोज शास्त्री, अनुभव शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोदीनगर में भगवान परशुराम जयंती पर कार्यक्रम, शोभायात्रा व भंडारे का आयोजन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर नगर में दो स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। निवाड़ी नगर पंचायत में विशेष कार्यक्रम के तहत बस स्टैंड पर भगवान परशुराम की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच अनावरण किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि प्रतिमा का अनावरण बुजुर्गों लल्लू सिंह पहलवान, जैनेंद्र त्यागी, पूर्व अध्यक्ष अनिल त्यागी, रामनिवास और हरी निवास द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान भगवान परशुराम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। लोगों ने बुजुर्गों से अनावरण कराए जाने को समाज में एकता और मार्गदर्शन का प्रतीक बताया। इसके बाद बैंड बाजों के साथ भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका निवाड़ी की गलियों में जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, अमित त्यागी, अंकित त्यागी, राजा, आशु और प्रवीण सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इसके अलावा आनंद विहार कॉलोनी स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में भी श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुदेश शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। उन्होंने बताया कि मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु ने अधर्म के विनाश के लिए परशुराम के रूप में अवतार लिया। कार्यक्रम में सभासद बबलू कौशिक और ललित त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश शर्मा ने की, जबकि संचालन प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। इस मौके पर हरिओम शर्मा, संजीव शर्मा, धीरज कौशिक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अधिवक्ता परिषद ब्रज की जनपद इकाई का पुनर्गठन, शिवमंगल लाल बने जिलाध्यक्ष, विवेक कुमार गर्ग कोषाध्यक्ष नियुक्त

हापुड़ (शिखर समाचार)। अधिवक्ता परिषद ब्रज द्वारा जनपद इकाई का पुनर्गठन किया गया। यह नियुक्तियां प्रांत कोषाध्यक्ष कमल सिंह एडवोकेट एवं प्रांत उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह तोमर द्वारा, प्रांत अध्यक्ष सुभाष चंद गुप्ता के निर्देश पर की गईं। जारी सूची के अनुसार शिवमंगल लाल को जिला इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि विवेक कुमार गर्ग को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला मंत्री एवं मीडिया प्रभारी अजय सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि राजकुमार त्यागी, विपिन गुप्ता और सौरभ कुमार गौड़ को इकाई का संरक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं बीनू जैन, अजय सैनी और संदीप त्यागी को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। महामंत्री पद पर अनोद कुमार श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री के रूप में अजय सिंह तोमर, उदित चौधरी और माधुरी शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा विमल कुमार प्रजापति को मासिक बैठक प्रमुख, सोनू सैनी को सह-प्रमुख, बलराम कुमार तोमर को न्यायप्रवाह प्रमुख और आदित्य शर्मा को सह-प्रमुख बनाया गया है। स्वाध्याय मंडल प्रमुख के रूप में जयभगवान शर्मा तथा सह-प्रमुख के रूप में प्रमोद कुमार तोमर को नियुक्त किया गया है। जिला कार्यकारिणी में विमल गुप्ता, विकास त्यागी, राजकिरन सिंह, कविता गौड़, नितिन पूनिया, संदीप शिशौदिया, आशीष शर्मा, विदूषी शिशौदिया, प्रशांत शर्मा, परशुराम, सुदिन सिरोही, हिरदेश शिशौदिया, हर्ष त्यागी और मुकेश त्यागी को शामिल किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को अधिवक्ताओं ने बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की उम्मीद जताई है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति खंडित होने पर लोगों ने किया रोड जाम, नई मूर्ति की हुई स्थापना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के इंद्रपुरी कॉलोनी के पास डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति खंडित होने की सूचना मिलते ही लोगों का जमावड़ा मौके पर लग गया। मूर्ति को खंडित देखते ही लोग आक्रोषित हो गए और दिल्ली सहारनपुर मार्ग को जाम कर दिया। रोड जाम होने की सूचना मिलते ही पुलिस व जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। मौके की गंभीरता को देखते हुए आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जाम को खुलवाने का प्रयास किया। जब बाबा साहब की नई मूर्ति की स्थापना पुनः की गई, तब जाकर लोगों का गुस्सा शांत हुआ। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के खंडित होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना पर तत्काल थाना पुलिस मौके पर पहुँची। मौके पर पाया गया कि बाबा साहब की एक मूर्ति जो रोड के किनारे थी, वह खंडित हो गई। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों को समझने का प्रयास करना शुरू किया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज करके इस घटना को अंजाम देने वालों की तलाश की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इस अपराध को करने वालों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

भगवान परशुराम जयंती पर हवन यज्ञ व विचार गोष्ठी आयोजित

शामली। (शिखर समाचार) भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा शहर के चौधरी चरण सिंह बारातघर में भव्य हवन यज्ञ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे ब्राह्मण समाज के लोगों ने श्रद्धापूर्वक यज्ञ में आहुति दी तथा भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में हवन यज्ञ के उपरांत विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बीडी शर्मा, महामंत्री शिवमोहन शर्मा तथा कार्यक्रम संयोजक पंडित ओमप्रकाश शर्मा द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम महर्षि भृगु के वंशज महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र थे। उनका जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया को हुआ था और वे भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में विख्यात हैं। वक्ताओं ने बताया कि भगवान परशुराम ने कठोर तपस्या के पश्चात भगवान शिव से 'परशु' नामक दिव्य अस्त्र प्राप्त किया, जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। वे शस्त्र विद्या के महान आचार्य भी थे और उन्होंने भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य तथा कर्ण जैसे महायोद्धाओं को शिक्षा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान समाज के गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर त्रिभुजन शर्मा, चिन्मय भारद्वाज, ओमप्रकाश शर्मा, अंजु अग्निहोत्री, लोकेश वत्स, राकेश शर्मा, चंद्र शर्मा, सतीश शर्मा, प्रेमकिशोर कोठारी, राजकुमार शर्मा, सुभाषचंद शर्मा, जनेश्वर प्रसाद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, डॉ. उनेन्द्र शर्मा, विकास शर्मा (अधिवक्ता) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

7 वर्षीय बच्ची से यौनाचार के आरोपी को इंदिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इन्दिरापुरम पुलिस ने 7 वर्षीय बच्ची से यौनाचार और चोरी के आरोपी अल्फाजुद्दीन को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में अल्फाजुद्दीन के दोनों पैरों में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे 1 अवैध तमंचा,2 खोखा कारतूस,1 जिन्दा कारतूस और झुग्गी से चोरी किये 10 हजार रुपए बरामद किए। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि बीती 15/16 अप्रैल 2026 की रात्रि में थाना इन्दिरापुरम के चौकी क्षेत्र नीतिखंड में निमार्णाधीन प्लाट न-9 में बनी झुग्गी में घुसकर 7 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया था। आरोपी ने बच्ची को डराया और झुग्गी में रखे 11 हजार रुपये व मोबाइल फोन चोरी करके मौके से फरार हो गया। बच्ची के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू की गई। उन्होंने बताया कि गौर ग्रीन से कनावनी पुलिया की तरफ आने वाली ग्रीन बेल्ट रोड पर निमार्णाधीन बिल्डिंग के सामने जाने वाले रास्ते पर पुलिस गस्त के दौरान रात्रि में एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह ग्रीन बैल्ट में भागकर छिप गया। जब पुलिस ने चारो तरफ से घेरकर उसे पकडने का प्रयास किया गया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिससे वह घायल हो गया। घायल को हिरासत में लेते हुए उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। अभियुक्त का अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह नशे का आदि है और अक्सर मौका देखकर इधर उधर चोरी कर अपने नशे के लिए रुपय का इंतजाम करता है। घटना वाले दिन वह पार्क में छिपकर बैठा था और रात्रि में करीब 1 से 2 बजे के बीच वह नीतिखंड 2 में निमार्णाधीन प्लाट में बनी झुग्गी में घुसकर झुग्गी में सो रही एक लडकी को पार्क की तरफ ले गया। वहां पर लड़की चिखने चिल्लाने लगी तों उसने धमकी देते हुए उसे झुग्गी में ले जाकर छोड दिया था और वहां से 11 हजार रुपये नगद व चार्जिंग में लगा एक मोबाइल फोन चोरी करके भाग गया था, जिसमें से 1000 रुपये उसने अपने नशे का सामान खरीदने में खर्च कर दिये झुग्गी से चोरी किया हुआ मोबाइल भी रास्ते में आते जाते किसी व्यक्ति को बेच दिया था, जिसे वह पहचानता नहीं था।

परशुराम जन्मोत्सव पर हवन पूजन, 26 अप्रैल को निकलेगी शोभायात्रा

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में श्री परशुराम भवन, जमुना विहार में विधि विधान के साथ हवन-पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्गों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रसाद वितरण किया गया। सभा के महामंत्री मुकेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा 26 अप्रैल, रविवार को दोपहर दो बजे श्री शिव संस्कृत विद्यालय, थानेश्वर महादेव, बुढ़ाना रोड से प्रारंभ की जाएगी। जन्मोत्सव समिति के संयोजक दिनेश शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। हवन पूजन के मुख्य यजमान सभा के अध्यक्ष केपी शर्मा तथा आचार्य मार्कण्डेय शास्त्री रहे। इस दौरान जेबी कौशिक, दिनेश शर्मा, नरेश गौड़, विनोद शर्मा, देवेंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, आदित्य शर्मा, विकास कौशिक, अनिल शर्मा, प्रवीण शर्मा, दुष्यंत शर्मा, गौरव बंटी, अनुज भारद्वाज, विभु शर्मा, शिवम आचार्य, मणिक शर्मा, देवेश शर्मा, नकुल दत्त, बृजपाल, अनुपम गौड़, कुबेर दत्त, जयवंश शर्मा और सुशील कात्यायन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में उत्तराखंड समाज की बड़ी बैठक, प्रतिनिधित्व को लेकर उठी आवाज

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम क्षेत्र में रविवार को उत्तराखंड समाज के लोगों द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य गाजियाबाद में उत्तराखंड मूल के लोगों की बड़ी संख्या होने के बावजूद राजनीतिक दलों द्वारा उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व न दिए जाने के मुद्दे को उठाना रहा। वक्ताओं ने कहा कि चाहे मंडल स्तर हो, महानगर संगठन हो या फिर चुनाव में टिकट वितरण, हर स्तर पर उत्तराखंड समाज की लगातार अनदेखी की जा रही है। बैठक में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखते हुए एक स्वर में समाज के लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। सभी ने कहा कि यदि समाज संगठित होगा तभी अपने अधिकारों और हिस्सेदारी को मजबूती से प्राप्त किया जा सकता है। इस दौरान पार्षद हरीश कड़ाकोटी, सभासद सोनू जोशी, चंदन गुसाईं, पूर्व पार्षद अनिल राणा, परमिला राणा, पूर्व पार्षद मोहन सिंह रावत, पूर्व राज्यमंत्री सचिदानंद पोखिरियाल, दिनेश लखेड़ा, राजेंद्र चौहान सहित समाज के कई प्रबुद्ध लोग मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर माय एसोसिएशन का भव्य आयोजन

दिल्ली (शिखर समाचार)। माय एसोसिएशन द्वारा मानसरोवर पार्क, शाहदरा दिल्ली स्थित कार्यालय में भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान योगेंद्र ने सभी टीम सदस्यों और फाउंडर मेंबर्स का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता और सक्रियता की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक अजय शर्मा (अज्जी), वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट अनुराग गुप्ता, महासचिव एडवोकेट नागेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष ऋषभ राज जैन, कानूनी सलाहकार एडवोकेट संदीप ठाकुर, सचिव प्रदीप पांचाल, महिला उपाध्यक्ष नीतू कांगड़ा सहित सलाहकार विनोद कुमार, राजकुमार कोशल, प्रदीप शर्मा, पवन कुमार, विनोद भारतद्वाज, संदीप शर्मा और दीपक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया तथा समाज में उनके विचारों को अपनाने का संकल्प लिया गया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता, जो मोदीनगर के एक कॉलेज में पढ़ाई कर रही है, ने बताया कि उसकी दोस्ती कुछ समय पहले फेसबुक के माध्यम से एक युवक से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और युवक ने उससे शादी का वादा किया। आरोप है कि इसी विश्वास में युवक उसे एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि इसके बाद भी कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया गया।
मामले में नया मोड़ तब आया जब युवती को पता चला कि आरोपी युवक की शादी कहीं और तय हो गई है। जब उसने युवक से शादी की बात की, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि युवती की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शोरूम के बाहर बजरंग दल का प्रदर्शन, तिलक-कलावा पर रोक का विरोध

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित एक ब्रांडेड कंपनी के शोरूम के बाहर बजरंग दल के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप है कि शोरूम संचालक ने अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों को निर्देश दिया था कि वे तिलक लगाकर और कलावा बांधकर कार्यस्थल पर न आएं। इस बात की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता एकत्र होकर शोरूम के बाहर पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यकताओं का कहना था कि सनातन परंपराओं का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसी को भी तिलक लगाने या कलावा बांधने से नहीं रोका जा सकता।
प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता शोरूम के अंदर भी पहुंचे, जहां उन्होंने कर्मचारियों को तिलक लगाया और कलावा बांधा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और माहौल को सामान्य किया। इस दौरान राजकुमार, आदित्य शर्मा, मधुर नेहरा, विशु त्यागी, दक्ष नगर और निशांत त्यागी सहित कई लोग मौजूद रहे।

विधायक ने फीता काटकर किया टायर शोरूम का शुभारंभ

मुरादनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ रोड स्थित एमटीएच टायर शोरूम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक अजीत पाल त्यागी ने विधिवत फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया।
शोरूम के स्वामी विक्रांत त्यागी ने बताया कि यहां विभिन्न नामी कंपनियों के उच्च गुणवत्ता वाले टायर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर बेहतरीन उत्पाद और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।
उद्घाटन समारोह में मोहित त्यागी, लोकेश जाटव, सचिन शर्मा, राहुल गोयल, ललित गोयल, विकास त्यागी, डॉ. सचिन, राजकुमार त्यागी, अनुज त्यागी, मोंटू त्यागी, निक्की त्यागी, शिवेंद्र त्यागी, त्रिलोक चंद त्यागी, संदीप, विवेक, वंश, नीरज त्यागी, आदित्य त्यागी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या में फरार पति गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र के गांव कंदौला में विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

जानकारी के अनुसार गौतमबुद्ध नगर के ग्राम प्यावली ताजपुर निवासी संतोष कुमार ने अपनी बहन गौरी की शादी 26 फरवरी को कंदौला निवासी रितिक राणा के साथ की थी। आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज में कार की मांग को लेकर गौरी को प्रताड़ित कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक 13 अप्रैल को गौरी संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर हालत में मिली, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान ने बताया कि शनिवार को पुलिस ने फरार आरोपी पति रितिक राणा को कंदौला गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

नंदग्राम में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई नव विवाहिता की मौत, पुलिस ने जाँच की शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना नंदग्राम थाना क्षेत्र में नव विवाहिता रुपसी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं युवती की मौत की सूचना परिवार वालों को दी गई। परिवार वालों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जाँच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस युवती की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसी कड़ी में मृतका रुपसी की शादी 19 फरवरी 2026 को फरीदाबाद में बड़े ही धूमधाम से नंदग्राम निवासी अभिनव झा से हुई थी। मात्र दो महीने की शादी के बाद ही उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवती की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिवार में शौक की लहर दौड़ गई और उन्होंने ससुराल पक्ष पर युवती का गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि परिवार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के असली कारणों का पता लग सकें। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से मौत के कारण की पुष्टि हो जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराई, एक की मौत, तीन घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मजीदपुरा निवासी रियाजउद्दीन उर्फ राजू (25) अपने तीन दोस्तों सोनू, गुलफाम उर्फ भूरे और इजरायल के साथ बाइक पर सवार होकर जोगीपुरा-दस्तोई रोड से गुजर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार के चलते बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने रियाजउद्दीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं सोनू की हालत नाजुक होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ के एक अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। अन्य दो घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में बाइक के अनियंत्रित होकर पोल से टकराने की बात सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आलमनगर रेलवे स्टेशन पर

आतंकियों को दिया गया ज्वलनशील पदार्थ

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी से पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों को आलमनगर रेलवे स्टेशन पर एक शख्स ने दो लीटर ज्वलनशील पदार्थ मुहैया कराया था। एटीएस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से इस ज्वलनशील पदार्थ को बरामद किया था। जिस शख्स ने ज्वलनशील पदार्थ उपलब्ध कराया था, वह अब तक पकड़ से दूर है। अंदेशा है कि वह पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में है। फुटेज व अन्य सुरागों की मदद से उसकी तलाश जारी है।

एटीएस ने दो अप्रैल को संदिग्ध आतंकी साकिब, अरबाब, लोकेश व विकास को गिरफ्तार किया था। इस मॉड्यूल ने देश भर में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रची थी। मामले में खुलासा हुआ है कि दो अप्रैल की शाम को ये सभी आलमनगर रेलवे स्टेशन के पास पहुंचे थे। यहीं पर एक शख्स आया और उन्हें ज्वलनशील पदार्थ दिया। उसके बाद वह चला गया। सूत्रों के मुताबिक इन चारों को उस शख्स के बारे में जानकारी नहीं थी। चूंकि चारों की लगातार बातचीत सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स से हो रही थी, तो उसी हैंडलर्स ने उस शख्स को भेजा था। जांच एजेंसी ने उसे अज्ञात में आरोपी बनाया है। रेलवे स्टेशन व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज एजेंसी ने जुटाए हैं, जिसकी मदद से पांचवें संदिग्ध तक पहुंचने की जद्दोजहद जारी है।

तमाम चैट डिलीट कीं : आरोपियों ने अपने-अपने मोबाइल से तमाम चैट डिलीट कर दी थीं। एटीएस उनके मोबाइल में चैट रिकवर करवा रही है। चैट डिलीट करने की बात आरोपियों ने कबूली थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी हैंडलर्स कहते थे कि टास्क पूरा होते ही चैट क्लियर कर दिया करो। उसी हिसाब से आरोपी काम कर रहे थे।

लखनऊ के लालकुआं का युवक रडार पर, साकिब की सीधी बातचीत : जांच एजेंसी की तफ्तीश में सामने आया है कि लालकुआं निवासी एक युवक भी मॉड्यूल के संपर्क में रहा है। उससे भी साकिब की सीधी बातचीत हुई। वह भी ट्रकों आदि में आगजनी करने को तैयार था। वह कौन है? क्या किसी वारदात में उसकी भूमिका रही है? आदि सवालों के जवाब जांच एजेंसी तलाश रही है। पुख्ता सबूत मिलने के बाद उस पर भी कार्रवाई हो सकती है।

चिटफंड कंपनी के दो संचालकों को सात-सात साल की सजा

उरई। चिटफंड कंपनी के नाम पर निवेशकों से ठगी करने वाले दो संचालकों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक खरे की अदालत ने सात-सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 7,500-7,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पटेल नगर निवासी शिवनारायण ने 18 जून 2015 को कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि 31 अगस्त 2012 से एक चिटफंड कंपनी में लोगों ने लाखों रुपये जमा किए थे। कंपनी ने निर्धारित अवधि पूरी होने पर रकम दोगुनी कर लौटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में कंपनी अचानक कार्यालय समेटकर फरार हो गई। इससे निवेशकों का करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। मामले की जांच के दौरान पुलिस को सहारनपुर निवासी करुणेश शर्मा और द्वारिका रोड दिल्ली निवासी रमनदीप के नाम सामने आए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी, रुपये गबन करने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने 22 मई 2017 को मामले में चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की। बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस, गवाहों के बयान और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया और सात-सात वर्ष की सजा सुनाई। बताया कि दोनों दोषियों को इससे पहले भी अन्य मामलों में सजा मिल चुकी है। अदालत के इस फैसले से ठगी के शिकार निवेशकों को न्याय की उम्मीद जगी है।

छत से आंगन में गिरी महिला ने दम तोड़ा

जालौन। छत से आंगन में गिरी महिला की एक माह चले इलाज के बाद बृहस्पतिवार को मौत हो गई। छत पर बाउंड्रीवॉल न होने की वजह से वह गिर गई थी। परिजन उनका ग्वालियर में इलाज करा रहे थे। महिला का इलाज कराते-कराते पति का घर भी बिक गया है। कोतवाली क्षेत्र के अमखेड़ा गांव निवासी गौतम धानुक की पत्नी कृष्णा देवी (25) 14 मार्च की रात छत पर सो रही थी। रात 2 बजे के लगभग वह पानी पीने के लिए उठी तो छत में बाउंड्रीवाल न होने के कारण आंगन में गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें सीएचसी ले गए, यहां गंभीर हालत होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया। ग्वालियर में चले एक माह इलाज के दौरान बृहस्पतिवार की रात को उनकी मौत हो गई।

सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, गुर्जर विद्या सभा की बैठक आयोजित

दादरी (शिखर समाचार)। मिहिर भोज शिक्षण संस्थान में गुर्जर विद्या सभा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सिविल सेवा परीक्षा एवं राष्ट्रीय स्तर के खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

रविवार को मिहिर भोज स्थित चौधरी शादीराम सभागार में आयोजित इस बैठक में सिविल सेवा परीक्षा में चयनित निकिता पंडित, नेहा नागर, निधि नागर, मानसी बसोया और मुस्कान बैसोया को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कर्मचारी चयन आयोग में चयनित मुस्कान भाटी और निशु भाटी को भी सम्मान मिला। भाला फेंक प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कनिष्का तोंगड़ को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सभी प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर देवेंद्र टाइगर, श्याम सिंह भाटी, रामशरण नागर, ब्रह्मपाल नागर, बलबीर आर्य, जयप्रकाश नागर और आजाद प्रधान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

50 हजार के ईनामी मामा ने ही की भांजी के साथ दरिंदगी और हत्या, मुठभेड़ में पुलिस ने किया ढ़ेर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड क्षेत्र में 4 वर्षीय मासूम बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म और हत्या करने के 50 हजार के ईनामी जसीम उर्फ छोटू पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया है। बंथला नहर पर चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जसीम को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। वही मौके का फायदा उठाकर जसीम के दो साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 3 तमंचे, 6 जिन्दा कारतूस, 10 खोखे और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की। मुठभेड़ के दौरान पुलिस के दो सिपाही इकबाल और मोहित भी घायल हुए। मामा जसीम ने ही मासूम बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म किया था और उसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देकर वह थाना शालीमार गार्डन इलाके में पार्क के पास गाड़ी के नीचे उसका शव फेंक कर मौके से फरार हो गया था। पुलिस को बच्ची के शव की सूचना मिली थी और पुलिस बच्ची की हत्या के आरोपी की तलाश में जुट गई थी। बीती 11 अप्रैल 2026 को जसीम बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने लें गया था और उसे अपने किराये के कमरें पर लें जाकर दुष्कर्म किया और उसके बाद उसकी हत्या करके फरार हो गया था, जिसके बाद बीती 12 अप्रैल को मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू की गई थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर पुष्टि हुई कि जसीम ही बच्ची को अपने साथ लें गया था। आरोपी जसीम पर 50 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया था। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जसीम थाना टीला मोड क्षेत्र में अपने साथियों के साथ घूम रहा है। सूचना पर बंथला नहर के पास पुलिस ने चेकिंग करना शुरू किया। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक बाइक पर कुछ संदिग्ध दिखाई दिए। जब पुलिस ने उन्हें रोकने का इशारा किया तो वह भागने लगे, जिस कारण उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई। पुलिस से खुद को बचाने के लिए उन्होंने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दो बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल को जब अस्पताल में भर्ती कराया गया तो उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि जसीम किसी आपराधिक मामले में पहले भी जेल जा चुका है और पुलिस उसका आपराधिक इतिहास खंगाल रही है।

महिला को सीएम योगी ने दिया भरोसा, कहा - आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे, विवेकाधीन कोष से भी होगी मदद

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान श्रावस्ती से आई एक महिला ने गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे के इलाज में मदद का अनुरोध किया।

साथ में आए बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने महिला से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला की तरफ से 'नहीं बना है', जवाब मिलने पर मुख्यमंत्री ने कहा- घबराइए मत, बच्चे के इलाज में कोई भी बाधा नहीं आने देंगे। आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से भी बच्चे के इलाज में आर्थिक सहायता देंगे।

महिला का प्रार्थना पत्र लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अफसरों को इस निर्देश के साथ थमाया कि इसे श्रावस्ती के जिलाधिकारी को भेजकर आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए। साथ ही डीएम के जरिये इलाज का इस्टीमेट भी शासन को उपलब्ध कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

उन्होंने उनसे मिलने आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

एमएलसी बनवाने के नाम पर 95.65 लाख की ठगी, मां बेटे पर मुकदमा दर्ज

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनपद के थाना जनकपुरी क्षेत्र स्थित पुष्पा विहार में एक शिक्षक से एमएलसी बनवाने का झांसा देकर 95.65 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने आरोपी मां बेटे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुष्पा विहार निवासी शिक्षक प्रदीप कुमार ने तहरीर में बताया कि उसके पड़ोसी अनमोल बौद्ध और उसकी मां उर्मिला बौद्ध ने अगस्त 2021 में सरकार में अपनी मजबूत पकड़ का दावा किया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के सरकारी कर्मचारी को एमएलसी नामित कराने की योजना चल रही है और इसके लिए करीब एक करोड़ रुपये खर्च होंगे। आरोपियों ने पीड़ित को इस पद के लिए उपयुक्त बताते हुए भरोसा दिलाया।

शिकायत के अनुसार आरोपियों ने अलग अलग माध्यमों से कुल 95.65 लाख रुपये ले लिए। निर्धारित समय बीतने के बाद भी जब कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो आरोपियों ने अतिरिक्त 50 लाख रुपये की मांग कर दी। इस पर पीड़ित को शक हुआ और जांच करने पर पता चला कि ऐसी कोई सरकारी योजना अस्तित्व में ही नहीं है।

पीड़ित ने 24 मार्च 2026 को गवाहों के साथ आरोपियों से रकम वापस मांगी, लेकिन उन्होंने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इस दौरान झूठे मुकदमे में फंसाने और आत्महत्या कर फर्जी आरोप लगाने की धमकी भी दी गई।

शिक्षक का कहना है कि 17 सितंबर 2021 से लेकर 7 मार्च 2025 तक करीब साढ़े तीन साल में चेक, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, पेटीएम, गूगल पे, आरटीजीएस और नकद के माध्यम से रकम दी गई। पहले पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर उसने एसएसपी से शिकायत की, जिसके बाद अब मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से सगे भाइयों की मौत; गेहूं की मड़ाई कराने जा रहे थे दोनों, परिजनों में कोहराम

कानपुर , एजेंसी। हरदोई जिले में बेनीगंज-संडीला मार्ग पर बाइक सवार सगे भाइयों को शुक्रवार रात किसी वाहन ने टक्कर मार दी। एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया। घटना का पता चलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अतरौली थाना क्षेत्र के बहुती गांव निवासी राजू (35) खेती करते थे। उनके सादू विजय कुमार का घर संडीला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में है। विजय के खेत में गेहूं की फसल काटी गई थी। फसल की मड़ाई कराने के लिए शुक्रवार रात राजू अपने भाई लक्का (25) के साथ बाइक से विजय के गांव जा रहा था।

किसी वाहन ने बाइक में मार दी टक्कर

रात लगभग 10 बजे संडीला-बेनीगंज मार्ग पर मलेहरा के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से राजू और लक्का सड़क पर गिर गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोथावां ले जाया गया।

सगे भाइयों की दर्दनाक मौत

यहां लक्का को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि राजू को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में राजू को भी मृत घोषित कर दिया गया। बेनीगंज कोतवाल मारकंडेय सिंह ने बताया कि घटना संडीला कोतवाली क्षेत्र में हुई है। घायल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए गए थे। सूचना परिजनों को दी गई है।

'मैं जिंदा लाश बन गई हूं', 92 प्रतिशत लाकर भी वैशाली ने दी जान

सुसाइड से पहले वॉयस नोट ने रुलाया, भाई ने खोले राज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में पनकी रतनपुर शिवालिक भवन में छात्रा वैशाली सिंह (16) ने हाईस्कूल में कम अंक आने से आहत होकर गुरुवार शाम फंदा लगा जान दे दी। वह हाईस्कूल में 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक चाहती थी, जबकि उसे 92 प्रतिशत अंक मिले। बुधवार को परिणाम घोषित होने के बाद से वह मायूस थी।

फंदा लगाने से पहले छात्रा ने अपने कुछ साथियों को मोबाइल पर वॉयस रिकॉर्डिंग भेजी थी। इसमें उसने जीने की इच्छा खत्म होने व उस पर खर्च किए जाने वाले रुपये बर्बाद होने की आशंका का जिक्र किया है। पुलिस ने जांच के लिए छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वैशाली अर्मापुर स्थित केंद्रीय विद्यालय में सीबीएसई बोर्ड से 10वीं की छात्रा थी। परिवार में मां काजल, 19 वर्षीय भाई प्रिंस है। प्राइवेट कर्मी पिता वीरेंद्र सिंह की दो साल पहले मौत हो चुकी है। काजल पीरोड स्थित एक मॉल में काम करती हैं। प्रिंस कुछ साल पहले पढ़ाई छोड़ चुका है और घर पर ही रहता है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार को वह मॉल गई थीं। दोपहर करीब तीन बजे से लेकर शाम पांच बजे तक बेटी को कई कॉल की लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। उन्होंने प्रिंस को कमरे में भेजकर बात कराने के लिए कहा। प्रिंस कमरे में पहुंचा, तो वैशाली का शव फंदे पर लटका देख चीख पड़ा।

सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पनकी इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि तनाव के कारण छात्रा के खुदकुशी की बात सामने आई है। मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मैं एक जिंदा लाश बनकर रह गई हूं...

खुदकुशी से पहले छात्रा ने अपने कुछ साथियों को एक वॉयस रिकार्डिंग भेजी थी। इसमें छात्रा कह रही है कि मेरे से अब जिया नहीं जाएगा... मैं एक जिंदा लाश बनकर रह गई हूं... अब मुझे जीने की इच्छा नहीं है। मुझे बहुत डर लगता है... मां मुझपर इतना पैसा खर्च कर रही हैं... कहीं उनका पैसा बर्बाद न हो जाए।मृतका की मां काजल ने आरोप लगाया कि बेटी पर स्कूल वाले पढ़ाई का काफी दबाव डाल रहे थे।

इस कारण वह रात-रातभर पढ़ती रहती थी। इसी के तनाव में उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली। वहीं, छात्रा के भाई प्रिंस का कहना था कि वह भी केंद्रीय विद्यालय में 11 वीं का छात्र रहा है। शरारती होने के कारण उसके नंबर अच्छे नहीं आते थे।

अंबेडकर जयंती पर जश्न-ए-भीमोत्सव का भव्य आयोजन, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में नोएडा स्थित पुस्तकालय एवं दलित उत्थान सेवा समिति द्वारा जश्न-ए-भीमोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण तथा नोएडा के विधायक पंकज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

इस अवसर पर असीम अरुण ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने लोगों से समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाकर ही समतामूलक समाज की स्थापना संभव है।

वहीं पंकज सिंह ने कहा कि भीमोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जागरूक और संगठित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और सामाजिक एकता का वातावरण देखने को मिला। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनजागरण कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

नजीबाबाद में भगवान परशुराम जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद में भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान परशुराम वेलफेयर ट्रस्ट, आदर्श नगर नजीबाबाद के तत्वावधान में शोभायात्रा शिव मंदिर से प्रारंभ हुई। यह यात्रा आदर्श नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई गली नंबर ए-10, साहू जैन कॉलेज, आकाशवाणी राष्ट्रीय राजमार्ग तथा आदर्श नगर बिजलीघर मार्ग से गुजरते हुए पुनः शिव मंदिर पर आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों को दशार्ती आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बैंड बाजों के साथ गूंजते भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। शोभायात्रा से पूर्व विधिवत हवन का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम से जुड़े पदाधिकारियों ने आहुति दी। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सौरभ भारद्वाज, बलराज त्यागी, नितेश त्यागी, वरुण आत्रे, अतुल शर्मा, पूर्व प्रधान प्रभा शर्मा, अमन त्यागी, पूर्व प्रधानाचार्य महेशबल शर्मा, पंकज शर्मा, दीपक शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, नितिन त्यागी, सुनील शर्मा, नवीन शर्मा, अंशिका, रश्मि सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगीना में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भगवान परशुराम का जन्मोत्सव नगर में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा ढोल नगाड़ों और बैंड-बाजों के साथ नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जगह जगह पुलिस बल तैनात रहा। शोभायात्रा खोखर नाथ महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर हिंदू इंटर कॉलेज पहुंची, जहां विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। रविवार सुबह करीब 8 बजे जन्मोत्सव के अवसर पर खोखर नाथ महादेव मंदिर में शोभायात्रा से पूर्व धमानंद त्रिपाठी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन कराया गया। इस दौरान संदीप शर्मा, अजित सोती, प्रदीप शर्मा, राजीव सोती सहित अन्य लोग यजमान के रूप में उपस्थित रहे। इसके पश्चात अपराह्न करीब 3 बजे बैंड बाजों और ढोल नगाड़ों के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। यह यात्रा खोखर

बाजार, हिंदू कटेरा, बारादरी बाजार, सराफा बाजार, बड़ा मंदिर बाजार, मझलेटा बाजार, मंडी मोलगंज, नगर पालिका बाजार और गांधी मूर्ति तिराहा होते हुए हिंदू इंटर कॉलेज परिसर पहुंची, जहां यह विचार गोष्ठी में परिवर्तित हो गई। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने ब्राह्मण समाज की एकजुटता, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबोध पाराशर, कृष्ण वीर फौजी, विभोर कौशिक, जय किशन शर्मा, अजीत सोती, संदीप शर्मा, सचिन शर्मा, अनमोल कंसल सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा किया गया। इस अवसर पर गोपाल शर्मा, दर्शन त्रिपाठी, दीपक सोती, समीर शर्मा, अनूप कौशिक, सौरभ शर्मा, शिवांग शर्मा, नवदीप शर्मा, विवेक शर्मा, ललित शर्मा, राजकुमार शर्मा, उमेश शर्मा, अंकित जोशी, देवेंद्र शर्मा, अनुपम कौशिक, रिंकू शर्मा, सतीश शर्मा, परितोष कौशिक, प्रेम गौतम, शिवम शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा, नितिन मिश्रा, अमित शर्मा, राजू भारद्वाज, आमोद शुक्ला सहित ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

धामपुर में मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती, शोभायात्रा का किया गया आयोजन

धामपुर / बिजनौर (शिखर समाचार)। भगवान विष्णु के छठे अवतार, चिरंजीवी भगवान परशुराम के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर ब्राह्मण सभा धामपुर (पंजीकृत) के तत्वावधान में नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा मोहल्ला गुजरातियान स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर से नगर परिक्रमा के रूप में प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा एडवोकेट, पूर्व एमएलसी सुबोध पाराशर, सर्व ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पाराशर, बिजनौर से आए संपादक डॉ. पंकज भारद्वाज, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रोहित गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष शरद चंद्र, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शुचि शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष नीमा शर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया गया। इस दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर उत्सव की शुरूआत को और भी भव्य बनाया गया। श्री ब्राह्मण सभा धामपुर

के नगर अध्यक्ष अनिल शर्मा इंजीनियर, महासचिव नवचेतन शर्मा, कोषाध्यक्ष संदीप शर्मा, कार्यक्रम प्रभारी जितेंद्र शर्मा बबलू सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का पगड़ी व पटका पहनाकर भव्य स्वागत किया।

शोभायात्रा में आकर्षक धार्मिक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इसमें विघ्नहर्ता गणपति महाराज, भगवान शिव, मां लक्ष्मी के साथ साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित चंद्रशेखर आजाद, मंगल पांडे, राम प्रसाद बिस्मिल, पंडित मदन मोहन मालवीय एवं बाल गंगाधर तिलक की झांकियां प्रमुख आकर्षण रहीं।

जागरण पार्टी के कलाकारों विकास प्रजापति, छोटू कश्यप, चेतन सैनी आदि ने भजन प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बैंड की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। शोभायात्रा के अंतिम चरण में सुसज्जित रथ पर भगवान परशुराम की प्रतिमा विराजमान रही, जिसके साथ संस्था के पदाधिकारी चलते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते रहे। इससे पूर्व मंदिर परिसर में भगवान परशुराम की प्रतिमा का विधि विधान से स्नान, वस्त्र एवं अलंकरण किया गया। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पालकी की आरती उतारी गई और श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना की। पूरे नगर में जय परशुराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ऑपरेशन तलाश के तहत बहादुरगढ़ पुलिस ने वारंटी को दबोचा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम एवं वारंटी/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत बहादुरगढ़ पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने थाना क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमे से संबंधित वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विन्द्र पुत्र कृष्णपाल निवासी रझेटी, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक नसीम अहमद और उपनिरीक्षक जगपाल सिंह सहित बहादुरगढ़ थाना पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गढ़ क्षेत्र के कल्याणपुर के जंगल में युवक का शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र की गढ़ कोतवाली अंतर्गत गांव कल्याणपुर में मंदिर के पास स्थित एक बाग में रविवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास शुरू किए। मृतक की पहचान जसवीर (38 वर्ष) पुत्र दौलत राम निवासी गांव अब्दुल्लापुर, थाना गढ़ के रूप में होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए गढ़ कोतवाली के बाहर जमकर हंगामा किया। देर शाम तक थाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति शांत हुई। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और घटनास्थल की स्थिति से ऐसा लग रहा है कि मौके पर अन्य लोग भी मौजूद रहे होंगे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर XU-2 में नव-निर्वाचित RWA कार्यकारिणी का स्वागत व शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर XU-2 में नव-निर्वाचित आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी का सेक्टरवासियों ने भव्य स्वागत किया। एबीसी चौक स्थित वेंडर जोन मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में नई टीम को पुष्पमालाएं और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक तेजपाल नागर रहे, जिनका नव-निर्वाचित टीम और सेक्टरवासियों ने शॉल, पौधा, पुष्पगुच्छ व मालाओं से स्वागत किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए संरक्षक जगमाल नागर ने की। इस दौरान विधायक तेजपाल नागर, फेडरेशन अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर, पूर्व महासचिव दीपक भाटी, संरक्षक रंजीत प्रधान, धर्मवीर मावी, उपाध्यक्ष आलोक नागर सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में अध्यक्ष कैप्टन वीरेंद्र सिंह नागर, महासचिव मनोज कुमार राजपूत, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा सहित पूरी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने नव-निर्वाचित टीम को आश्वस्त किया कि सेक्टर के विकास से जुड़े हर कार्य में वे प्राधिकरण से लेकर शासन स्तर तक पूरा सहयोग देंगे। फेडरेशन अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर और पूर्व महासचिव दीपक भाटी ने भी टीम के साथ मिलकर कार्य करने और ईमानदारी व निष्पक्षता के साथ जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष सर्वेश राघव और महासचिव राकेश गौर ने भी नव-निर्वाचित टीम का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष कैप्टन वीरेंद्र सिंह नागर, महासचिव मनोज कुमार राजपूत और कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि पूरी टीम सेक्टर हित में समर्पित भाव से कार्य करेगी और किए गए वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में सतीश पीलवान और रविंद्र चौधरी ने सेक्टरवासियों से एकजुट रहने, सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मौजूद रहे।

यूपीपीसीएस में सफलता: गांव लौटी रश्मि कुमारी का भव्य स्वागत, बनीं असिस्टेंट कमिश्नर

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बे में उस समय उत्सव जैसा माहौल बन गया जब यूपीपीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने पैतृक घर लौटी रश्मि कुमारी का जोरदार स्वागत किया गया। बैंड बाजों की धुन और फूल मालाओं के साथ ग्रामीणों ने अपनी बेटी का अभिनंदन करते हुए गर्व का इजहार किया।

कस्बे के मोहल्ला अंबेडकर नगर निवासी स्टांप विक्रेता भागमल की पुत्री रश्मि कुमारी ने बिना किसी कोचिंग के उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस) परीक्षा में सफलता हासिल कर असिस्टेंट कमिश्नर (वाणिज्यकर) के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

पहली बार रबूपुरा पहुंचने पर ग्रामीणों ने उन्हें खुली कार में बैठाकर कस्बे की गलियों में घुमाया और जगह जगह स्वागत किया। इस दौरान आयोजित समारोह में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि रश्मि कुमारी की सफलता उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और अनुशासन का परिणाम है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि रश्मि जैसी बेटियां समाज की असली ताकत हैं, जो नई पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देती हैं।

स्कूली वाहनों में लापरवाही उजागर: 156 पर कार्रवाई, दोबारा फिटनेस के निर्देश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। संभागीय परिवहन विभाग की सघन जांच में स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियां सामने आई हैं। विभाग द्वारा की गई जांच में 156 स्कूली वाहनों में कमियां पाए जाने पर संबंधित स्कूलों को नोटिस जारी कर दोबारा फिटनेस कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन एमपी सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 4,448 स्कूलों को पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है। इनमें 232 स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपने वाहन हैं। इन स्कूलों के कुल 1,016 वाहनों का डाटा दर्ज किया गया है। जांच के दौरान केवल 443 वाहन ही निर्धारित मानकों पर खरे उतरे, जबकि 415 वाहन गैर-मानक पाए गए। जांच में कई गंभीर खामियां उजागर हुईं। अनेक वाहनों में प्राथमिक उपचार पेटी या तो नहीं मिली या अधूरी पाई गई। कई वाहनों में जीपीएस और वाहन लोकेशन ट्रैकिंग उपकरण बंद मिले। इसके अलावा कुछ वाहनों में अग्निशमन यंत्र भी ठीक स्थिति में नहीं पाए गए,

जो बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से बड़ी लापरवाही मानी जा रही है।

विभाग ने इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए अब तक 156 वाहनों के खिलाफ नोटिस जारी कर दिया है और संबंधित स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि सभी कमियों को दूर कर जल्द से जल्द वाहनों की दोबारा फिटनेस कराई जाए।

अब तक 932 वाहनों का निरीक्षण पूरा किया जा चुका है, जबकि 84 वाहनों का निरीक्षण अभी शेष है। वहीं पोर्टल पर 2,903 शपथ पत्र अपलोड किए जा चुके हैं, जिनमें 1,303 शपथ पत्र बेसिक शिक्षा विभाग के 242 स्कूलों द्वारा अपलोड किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवार्चीन पब्लिक स्कूल पर डीएम की सख्त कार्रवाई, 6 लाख का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली और अभिभावकों पर ड्रेस व किताबें तय दुकानों से खरीदने का दबाव बनाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने से अभिभावकों में आक्रोश बढ़ रहा था। इसी क्रम में पिलखुवा स्थित अवार्चीन पब्लिक स्कूल के खिलाफ शिकायत मिलने पर जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता वाली जिला शुल्क नियामक समिति ने मामले की जांच के बाद स्कूल पर कुल 6 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है और भविष्य में गड़बड़ी मिलने पर मान्यता रद्द करने की चेतावनी दी है। मामले की शुरूआत तब हुई जब कई अभिभावकों ने जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों से शिकायत कर आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन निर्धारित शुल्क से अधिक फीस वसूल रहा है। साथ ही छात्रों को एक निश्चित दुकान से ही किताबें और कोर्स सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) डॉ. श्वेता पूठिया को जांच के निर्देश दिए। जांच के तहत 8 अप्रैल तथा उसके बाद दोबारा स्कूल का निरीक्षण किया गया, जिसमें अभिभावकों और छात्रों के बयान भी दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि स्कूल वेबसाइट पर दर्शाई गई फीस से अधिक राशि नकद वसूली जा रही थी। कक्षा 11-12 के छात्रों से प्रति माह 20 रुपये और कक्षा 9-10 के छात्रों से 10 रुपये अतिरिक्त लिए जा रहे थे। इतना ही नहीं, फीस संबंधी जानकारी छिपाने के लिए स्कूल की वेबसाइट से छेड़छाड़ भी की गई। इन अनियमितताओं के चलते पहले एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इसके बाद छात्रों को एक निश्चित दुकान से कोर्स खरीदने के लिए दबाव बनाने के आरोप सही पाए जाने पर पांच लाख रुपये का अतिरिक्त जुमार्ना ठोका गया। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में फिर से इस प्रकार की शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो स्कूल की मान्यता रद्द करने की संस्तुति उच्च अधिकारियों को भेज दी जाएगी। इस कार्रवाई के बाद जिले के अन्य स्कूल संचालकों में भी हड़कंप मच गया है।

रिश्ते का जाल, ठगी का खेल, बहन बनाकर 5 लाख हड़पे

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। रिश्तों की आड़ में ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें सोशल मीडिया के जरिए पहले बहन बनाकर भरोसा जीता गया और फिर खुद को सीबीआई व कस्टम अधिकारी बताकर करीब 5 लाख रुपये ठग लिए गए। थाना शाहपुर पुलिस ने इस सनसनीखेज साइबर ठगी का पदार्फाश करते हुए एक युवती और एक युवक को गिरफ्तार किया है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया।

एसएसपी ने बताया कि 4 अप्रैल को थाना क्षेत्र निवासी इकरा ने शाहपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसके अनुसार, मौज ऐप के माध्यम से उसकी पहचान हिदायतुल्लाह खान नामक व्यक्ति से हुई। बातचीत के दौरान आरोपी ने पहले भाई-बहन का रिश्ता बनाकर विश्वास जीता, फिर फर्जी सीबीआई और कस्टम अधिकारी बनकर कॉल करने लगे। आरोपियों ने गिफ्ट भेजने के बहाने

पीड़िता का पता हासिल किया और बाद में फर्जी आईडी कार्ड व सर्च वारंट भेजकर उसे किसी बड़े मामले में फंसने का डर दिखाया। भय का माहौल बनाकर अलग अलग खातों में करीब 5 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए।

रविवार को शाहपुर पुलिस ने हजूरनगर मार्ग से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोजी निवासी निजामुद्दीन, दिल्ली और मंसूर अहमद निवासी बिजनौर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में दक्षिणी दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 डेबिट कार्ड, 3 मोबाइल फोन, फर्जी सीबीआई आईडी कार्ड, फर्जी सर्च वारंट की कॉपी, बैंक पासबुक, चेकबुक और 2,00,760 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के नेटवर्क की जांच जारी है। इनके फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, जिससे इस साइबर ठगी से जुड़े बड़े गिरोह का पदार्फाश होने की संभावना है।

प्रेस वार्ता में एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक, सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह, थाना प्रभारी शाहपुर गजेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो शातिर गिरफ्तार, 55 हजार नकदी बरामद

शामली। (शिखर समाचार) आदर्श मंडी थाना पुलिस ने ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 55 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। पकड़े गए आरोपी बड़ी संख्या में लोगों को ठगी का शिकार बना चुके हैं।

पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसपी एनपी सिंह ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल से प्राप्त म्यूल खातों की जांच के दौरान इस गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस ने मयंक उर्फ सन्नी पुत्र कमल कुमार निवासी बेगमपुरा कैराना और विशाल पुत्र मोहनलाल निवासी टीचर्स कॉलोनी कैराना को गिरफ्तार किया।

जांच में सामने आया कि आरोपी व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से लोगों को फर्जी लिंक भेजते थे और नकली एप्स के जरिए ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर झांसा देते थे।

लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर उनसे पैसे म्यूल खातों में डलवाए जाते थे और बाद में रकम हड़प ली जाती थी।

एसपी ने बताया कि आरोपियों द्वारा संचालित म्यूल खातों में करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ है। इन खातों के संबंध में देशभर में साइबर ठगी की पांच शिकायतें दर्ज हैं।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि म्यूल खाता धारक सादिक, जो फल का ठेला लगाता है, को आरोपियों ने लालच देकर फर्जी सेविंग अकाउंट खुलवाया था। उसे बड़े लेन-देन और कमीशन का झांसा दिया गया। इसके बाद सादिक ने अपने खाते की पूरी जानकारी आरोपियों को दे दी, जिसका उपयोग कर मयंक और विशाल ने करीब 3 करोड़ रुपये का लेन-देन किया। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

संपादकीय

बंगाल की निर्णायक जंग: सत्ता, रणनीति और जनादेश की असली परीक्षा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 देश की राजनीति का केंद्र बिंदु बन चुका है, जहां हर दिन बदलते समीकरण, तीखे राजनीतिक हमले और बड़े-बड़े वादे चुनावी माहौल को और अधिक गरमा रहे हैं। इस बार चुनाव केवल एक राज्य की सत्ता का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दलों की ताकत का भी अहम संकेतक बन गया है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं मैदान में उतरकर लगातार रैलियां कर रहे हैं।

हाल के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के कई जिलों में ताबड़तोड़ सभाएं कर पार्टी कार्यकताओं और मतदाताओं में जोश भरने का प्रयास किया है। उनकी रैलियों में एक स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है राज्य की मौजूदा तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और कथित राजनीतिक हिंसा के मुद्दों को लेकर तीखा हमला। प्रधानमंत्री का यह भी कहना है कि बंगाल अब परिवर्तन चाहता है और जनता भय और दबाव की राजनीति से बाहर निकलना चाहती है। यह संदेश भाजपा के चुनावी अभियान का मुख्य आधार बनता जा रहा है।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस और उसकी नेता ममता बनर्जी भी पूरी मजबूती के साथ मैदान में डटी हुई हैं। ममता बनर्जी का चुनावी अभियान क्षेत्रीय अस्मिता, बंगाल की संस्कृति और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध पर केंद्रित है। वे भाजपा पर बाहरी ताकत होने का आरोप लगाते हुए यह बताने की कोशिश कर रही हैं कि राज्य के हितों की रक्षा केवल स्थानीय नेतृत्व ही कर सकता है। इस प्रकार चुनाव में एक ओर राष्ट्रीय नेतृत्व की ताकत है, तो दूसरी ओर क्षेत्रीय पहचान और जमीनी पकड़ का दावा।

चुनावी वादों की बात करें तो इस बार दोनों प्रमुख दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए कई आकर्षक घोषणाएं की हैं। भाजपा जहां महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का वादा कर रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस अपनी पहले से चल रही योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का भरोसा दे रही है। इन वादों के बीच असली सवाल यह है कि मतदाता किस पर अधिक भरोसा करते हैं नए वादों पर या पहले से चल रही योजनाओं की निरंतरता पर।

इस चुनाव में एक महत्वपूर्ण भूमिका युवा मतदाताओं की भी है। बड़ी संख्या में पहली बार मतदान करने वाले युवा इस बार चुनावी परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। उनके लिए रोजगार, शिक्षा और डिजिटल अवसर जैसे मुद्दे बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि चुनावी भाषणों में इन मुद्दों का जिक्र होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका समाधान कितना प्रभावी होगा, यह अब भी एक बड़ा सवाल बना हुआ है।

चुनाव के दौरान आरोप प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है। भाजपा जहां तृणमूल सरकार पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता के आरोप लगा रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस भाजपा पर समाज को बांटने और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। इस राजनीतिक टकराव में कई बार असली जनसरोकार पीछे छूट जाते हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है।

प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी अभियान में एक और खास बात यह है कि वे स्थानीय संस्कृति और जनजीवन से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कभी स्थानीय खान-पान के जरिए, तो कभी क्षेत्रीय भाषा और परंपराओं का उल्लेख करके वे मतदाताओं के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह आधुनिक चुनावी राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुका है, जहां केवल नीतियां ही नहीं, बल्कि जुड़ाव और विश्वास भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केंद्र और राज्य के संबंधों की दिशा को भी प्रभावित कर सकता है। यदि भाजपा यहां जीत दर्ज करती है, तो यह उसके राष्ट्रीय विस्तार के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

किसी का जीवन बचाने के लिए बोला गया झूठ, पाप नहीं होता है।

© विनय संकोची

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी कब ?

सौरभ वार्ष्णेय

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना गया। लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि जब यह कानून संसद से पारित हो चुका है, तो इसका असर अभी तक जमीनी स्तर पर क्यों नहीं दिख रहा। दरअसल, इस अधिनियम के लागू होने में देरी का कारण इसकी संरचना और उससे जुड़ी शर्तें हैं। देश की संसद में 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया जो कि बहुत ही निराशाजनक है। संसद के विशेष सत्र में लंबी चली बहस में मतभेदों के सुर के आलावा आपसी राजनीति के आलावा कुछ समझ नहीं आया। ज्ञात रहे कि सरकार को इस संशोधन बिल को पास करवाने के लिए दो-तिहाई वोटों की जरूरत थी। लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम हैं। इस बिल को पास करवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की हर कोशिश नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। अब सवाल यह है कि अब नहीं तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण कब मिलेगा ? जब सितंबर २०२३ में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है तो पहले आगामी चुनाव में इसे लागू कर देते और संशोधन बिल लाते रहते ? जब इसे अभी लागू ही नहीं किया तो संशोधन बिल लाने की क्या जरूरत पड़ी। महिलाओं के लिए कोटा 2034 से पहले संभव हो पाएगा या फिर बीच की कोई और राह अभी भी निकल सकती है? महिला आरक्षण बिल फिलहाल तो ठंडे बस्ते में चला गया है। ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा? जबकि यह अब कानून बन चुका है। इसे लागू करना हम सब सांसदों की जिम्मेदारी है।

विपक्ष लगातार ओबीसी महिलाओं के अलग कोटे की मांग कर रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि बीजेपी महिला आरक्षण का क्रेडिट तो लेना चाहती है लेकिन ओबीसी महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी देने से बच रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसलों में कहा है कि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं दिया जा सकता और ओबीसी कोटा के लिए समकालीन, भरोसेमंद तथ्यात्मक डेटा जरूरी है। यही तर्क राष्ट्रीय स्तर पर भी उठेगा। संसद चाहे तो संविधान में संशोधन कर लोकसभा-विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण और उसमें से ओबीसी महिलाओं का उप-कोटा तय कर सकती है। भले ही नई जातिगत जनगणना पूरी नहीं हुई हो। संविधान किसी विशेष डेटा स्रोत को अनिवार्य नहीं ठहराता। लेकिन किस जाति समूह को कितना हिस्सा मिलेगा, इसका आधार तय करने के लिए ठोस, नए और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य जातिगत आंकड़े जरूरी होंगे। वरना अदालतों में इसे मनमाना मानकर चुनौती दी जा सकती है। अब आगे महिलाओं को ही मुखर होकर आगे आना होगा । इन पार्टियों को समझाना पड़ेगा कि आधी आबादी को संसद से क्यों वचिंत रखना चाहते हैं।

अब बात करते हैं इसके बीच के रोडे कि जिसमें परिसीमन की शर्त यानी कानून के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तभी लागू होगा जब अगली जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। यानी, सीटों की नई सीमाएं तय होने के बाद ही यह आरक्षण लागू होगा। चूंकि अगली जनगणना अभी बाकी है और उसके बाद परिसीमन होना है, इसलिए कानून तुरंत प्रभाव से लागू नहीं हो सकता।

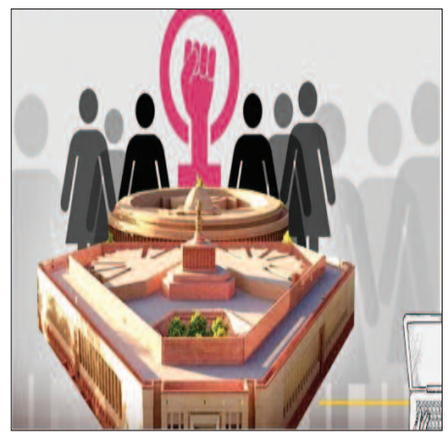

दूसरा कारण जनगणना में देरी। 2021 की जनगणना विभिन्न कारणों से टल गई थी। जब तक नई जनगणना नहीं होती, तब तक परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती। यह देरी सीधे तौर पर महिला आरक्षण के लागू होने को भी टाल रही है। तीसरा कारणः राजनीतिक संतुलन और आशंकाएं यानी परिसीमन के साथ ही राज्यों के बीच सीटों का संतुलन भी बदल सकता है, जिससे खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में प्रतिनिधित्व घटने की आशंका जताई जा रही है। इस कारण यह मुद्दा केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ जाता है।चौथा कारणः चरणबद्ध क्रियान्वयन की नीति। सरकार का तर्क है कि इतने बड़े संवैधानिक बदलाव को एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत लागू करना जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार का प्रशासनिक या राजनीतिक असंतुलन न पैदा हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तब मिलेगा जब इसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। वर्तमान स्थिति यह दशार्ती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी तेज करना आवश्यक है, अन्यथा यह कानून केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल तभी सार्थक होगी जब 'वंदनइ के साथ 'प्रतिनिधित्व भी वास्तविकता बने।

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में ह्लदोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीतिह्व तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए ह्लनो-फॉल्ट मुआवजा नीतिह्व तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियां बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई है। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट पर दिगर विशेषज्ञ चिकित्सक भी सवालिया निशान लगा चुके हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सीन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है। एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती हो कि वैक्सीन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुई। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुईं शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुईं हों खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीर्ष अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सीन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगा।

सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता का उदय: भुवनेश्वर से उठती तकनीकी क्रांति की नई लहर

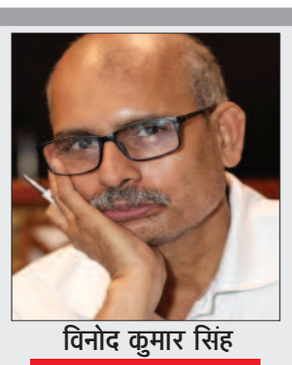

विनोद कुमार सिंह

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

भारत की विकास यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब कोई पहल केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली धुरी बन जाती है। 19 अप्रैल 2026 को भुवनेश्वर की धरती पर देश की पहली काँच आधारित उन्नत त्रि-आयामी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई के शिलान्यास के साथ ऐसा ही एक ऐतिहासिक अध्याय प्रारंभ हुआ। यह केवल एक औद्योगिक स्थापना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न का साकार रूप है, जिसमें तकनीक, नवाचार और राष्ट्रीय संकल्प एक साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं।आज का युग सूचना, संचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है। इस युग की हर धड़कन के केंद्र में सेमीकंडक्टर है– वह अदृश्य शक्ति, जो मोबाइल फोन से लेकर अंतरिक्ष अभियानों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर रक्षा प्रणालियों तक हर क्षेत्र को संचालित करती है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में एक अनिवार्य कदम है। भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत इकाई इसी व्यापक दृष्टिकोण का परिणाम है।इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का उद्बोधन पूरे आयोजन की आत्मा बनकर उभरा। उनके शब्दों में केवल एक परियोजना की जानकारी नहीं थी, बल्कि उसमें भारत के तकनीकी भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा और आत्मविश्वास का स्वर गूंज रहा था। उन्होंने इस पहल को देश की तकनीकी संप्रभुता से जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा,बल्कि वह निर्माण, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उनके वक्तव्य में यह भाव स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि काँच आधारित त्रि-आयामी पैकेजिंग तकनीक भारत के लिए एक परिवर्तनकारी कदम सिद्ध होगी, जो उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दूरसंचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में देश को नई शक्ति प्रदान करेगी।केंद्रीय मंत्री ने जिस विश्वास और दूरदर्शिता के साथ इस परियोजना को भारत के भविष्य से जोड़ा,वह यह संकेत देता है कि देश अब तकनीकी प्रतिस्पर्धा में पीछे रहने को तैयार नहीं है।उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका निरंतर मजबूत हो रही है और यह पहल देश को एक विश्वसनीय तथा सक्षम तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करेगी।उनके उद्बोधन में आत्मनिर्भर भारत की वह व्यापक अवधारणा स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिसमें तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनती है।इस अवसर पर मोहन चरण माँझी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में राज्य की प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए कहा कि ओडिशा निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने इस परियोजना को राज्य के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह ओडिशा को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगी।

लगभग 1,943 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो रही यह परियोजना भारत की पहली काँच सब्सट्रेट आधारित उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा है। केंद्र सरकार द्वारा लगभग 799 करोड़ रुपये और राज्य सरकार द्वारा लगभग 399 करोड़ रुपये के सहयोग से यह परियोजना राष्ट्रीय प्राथमिकता का स्वरूप धारण कर चुकी है।लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन करते हुए यह इकाई देश के युवाओं को उच्च तकनीकी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।प्रति वर्ष लगभग पाँच करोड़ इकाइयों के उत्पादन की क्षमता इस परियोजना को भारत के सेमीकंडक्टर परिदृश्य में एक सशक्त आधार प्रदान करेगी। तकनीकी दृष्टि से यह परियोजना अपने आप में अद्वितीय है।काँच आधारित सेमीकंडक्टर पैकेजिंग तकनीक पारंपरिक सिलिकॉन आधारित प्रणालियों की तुलना में अधिक प्रभावी, ऊर्जा-कुशल और विश्वसनीय मानी जाती है।उच्च आवृत्ति पर बेहतर सिग्नल गुणवत्ता, तापीय स्थिरता और कम ऊर्जा हानि जैसी विशेषताएँ इसे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं।यही कारण है कि यह तकनीक डेटा केंद्रों, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,उन्नत संचार प्रणालियों और रक्षा क्षेत्र में व्यापक उपयोग की संभावनाएँ रखती है।

इस परियोजना की एक और विशेषता इसकी पूर्णतः एकीकृत संरचना है,जिसमें काँच पैनल निर्माण,चिप असेंबली और उन्नत पैकेजिंग सभी एक ही परिसर में संचालित होंगे।यह मॉडल उत्पादन की दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता नियंत्रण और लागत प्रबंधन को भी सुदृढ़ करेगा। तीन प्रमुख उत्पादन इकाइयों–काँच पैनल प्रसंस्करण,असेंबली एवं पैकेजिंग,तथा त्रि-आयामी एकीकृत मॉड्यूल निर्माण के माध्यम से यह परियोजना भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नई ऊँचाई प्रदान करेगी।इस परियोजना के कार्यान्वयन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थल परीक्षण और प्रारंभिक इंजीनियरिंग कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया जारी है।उत्पादन प्रारंभ होने की संभावित समयसीमा वर्ष 2028 निर्धारित की गई है,जबकि पूर्ण क्षमता से उत्पादन 2030 तक आरंभ होने की संभावना है। यह समयबद्ध योजना भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और कार्यान्वयन दक्षता का प्रमाण है।

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

संक्षेप में भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई भारत के तकनीकी आत्मविश्वास,आर्थिक दृष्टि और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। अश्विनी वैष्णव के उद्बोधन में व्यक्त दृष्टि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अग्रिम पंक्ति में खड़ा होने के लिए तैयार है।यह पहल उस नए भारत की कहानी कहती है,जो अपने सपनों को साकार करने के लिए केवल संकल्पित ही नहीं, बल्कि सक्षम भी है,इस ऐतिहासिक क्षण का सबसे बड़ा संदेश है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर
मे जा जी खी खू खे खो गा गी

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -3864

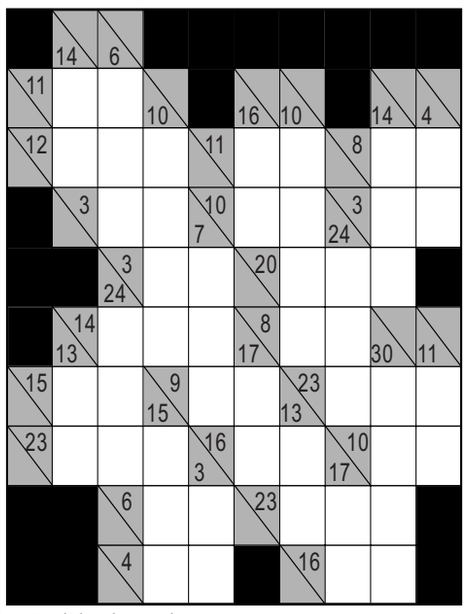

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

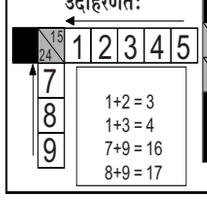

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3863 का हल

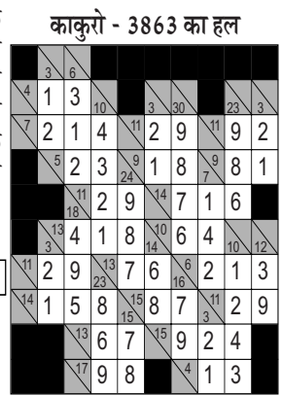

हंसी के फव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैठ जाइए.'

□ □ □

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

□ □ □

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

□ □ □

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3864

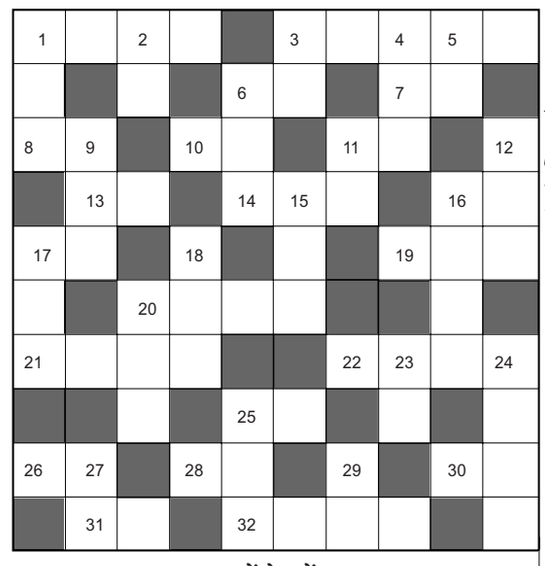

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3863

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झी	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना			रा	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -3864

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3863 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3864

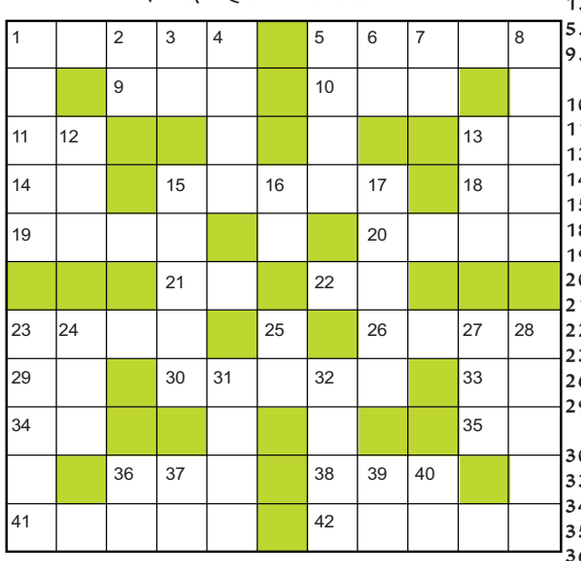

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3863 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
ली		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दी	ज	ख		क	ल		ता	ल	
घा	य	ल		दा	म		उ	प्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

रोगों पर काबू कैसे करें

स्वस्थ जीवन शैली, संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और किसी प्रकार के नशे से दूरी बनाकर निरोगी जीवन बिताया जा सकता है। उम्र के विभिन्न सोपानों पर अनेक शारीरिक जांचें कराकर कई गंभीर रोगों पर समय रहते काबू किया जा सकता है।

तंबाकू, सिगरेट, गुटखा अनेक रोगों के कारक हैं। इनका सेवन करने से ह्रदय रोगों ,कुछ अंगों के कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थि विरलता इत्यादि का खतरा ज्यादा हो जाता है। इनका सेवन न करें यदि करते हैं, तो परित्याग करें।

नशीले तत्त्वों गांजा, चरस, हशीश, हेरोइन, कोकेन इत्यादि के सेवन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इनके कारण अनेक शारीरिक, मानसिक, व्यावहारिक, सामाजिक, आर्थिक समस्याएं हो सकती हैं। इनका सेवन कदापि न करें।

संतुलित भोजन नियमित रूप से आवश्यक मात्रा में सेवन करें जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैलॉरी और अन्य सभी पोषक तत्त्व-प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण, एंटी ऑक्सीडेंट, जल इत्यादि मौजूद हो। वसा, नमक, सरल शर्करा का सेवन सीमित मात्रा में करें। भोजन में कैल्शियम की मात्रा पर्याप्त होने चाहिए।

देश में भोजन, जल जनित संक्रमण रोगों का प्रकोप रहता है। भोजन, जल की स्वच्छता, शुद्धता का ध्यान रखें। स्वच्छता के नियमों का कड़ाई से पालन करें।

विटामिन 'डी' की आपूर्ति के लिए 10 से 15 मिनट प्रतिदिन धूप में अवश्य टहलें।

संतुलित जीवन व्यतीत करें। एक ही साथी से यौन संबंध स्थापित करें जिससे यौन जनित संक्रमण, एड्स से बचाव हो।

मुंह की स्वच्छता का ध्यान रखें। सुबह और भोजन के बाद ब्रश अवश्य करें।

घर के अंदर और बाहर का प्रदूषण अनेक रोगों का कारण है। अत: प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयत्न करें।

ह्रदय के रोग मौत का नंबर एक कारण है। इनसे बचाव के लिए 40 वर्ष से ज्यादा आयु के पुरूष और 50 वर्ष से ज्यादा आयु की महिलाएं रोजाना एस्प्रिन का सेवन कर सकते हैं।

सक्रिय रहें। आलस्य त्यागें। नियमित व्यायाम करें। इससे अनेक रोगों से बचाव होता है। कार्य क्षमता बनी रहती है।

दुर्घटना के कारण अपंगता, विकृतियां, मौत हो सकती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करें। बिजली, आग, पानी एवं अन्य खतरे वाले कार्य सावधानीपूर्वक करें।

तनाव, चिंता, हड़बड़ी इत्यादि भी अनेक शारीरिक, मानसिक रोगों के जनक है। यथासंभव इनसे बचें। जीवन शांति, संतोष से गुजारे। व्यवस्थित रहें, सकारात्मक विचार रखें।

योग, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास करें, शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक संतुलन होता है।

वृद्धावस्था में रोगों का खतरा ज्यादा रहता है, अत: स्वस्थ रहने के लिए विशेष रूप से सतर्क रहना, सावधानियां रखना जरूरी है। गिरने, चोट लगने, दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के प्रयास करें। गर्म पानी का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। श्रवण क्षमता, दांतों की जांचें नियमित अंतराल पर करवानी चाहिए। वृद्धावस्था में प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। संक्रमण आसानी से होते हैं। ऐसे में न्यूमोकॉकल और इंफ्ल्यूएंजा के टीके लगवाने चाहिए।

शुरूआती अवस्था के निदान परीक्षण

नियमित अन्तराल पर शारीरिक परीक्षण [मेडिकल चेकअप] करवाएं ,जिससे रोग की संभावना, पूर्व अवस्था, शुरूआती अवस्था है, तो सावधानी रख, परहेज कर उपचार द्वारा रोग की विकरालता से बचाव हो सकता है।

18 वर्ष आयु के पश्चात नियमितत अन्तराल पर वजन, रक्तचाप की माप करवाएं।

पुरूषों को 35 वर्ष, महिलाओं को 45 वर्ष आयु के बाद हर पांच वर्ष पर रक्त वसा, कोलेस्ट्रॉल, की जांच करवानी चाहिए।

मधुमेह के निदान के लिए 45 वर्ष आयु के बाद पांच वर्ष अन्तराल पर रक्त ग्लूकोज स्तर की माप करवाए। यदि किसी कारण से मधुमेह ग्रस्त होने का खतरा है, तो कम आयु में जल्दी-जल्दी जांचें करवानी चाहिए।

आंतों के कैंसर के लिए 50 वर्ष आयु के बाद हर वर्ष रक्त की जांच और 65 वर्ष आयु के बाद आंतों की दूरबीन से जांच करवानी चाहिए।

महिलाओं को यौन जीवन शुरू होने के बाद हर एक से तीन वर्ष में गर्भाशय ग्रीवा स्त्राव की जांच [पॅप स्मीयर] करवानी चाहिए। जिससे इसके कैंसर की पूर्व अवस्था में निदान हो सके।

युवा महिलाओं को प्रजनन अंगों के ट्राइको मोनास संक्रमण के लिए जांच एक-दो वर्ष के अन्तराल पर करवानी चाहिए।

40 वर्ष आयु के बाद महिलाओं को 1 से 2 वर्ष पर स्तनों की जांच स्वयं करनी चाहिए।

अस्थि विरलता के लिए महिलाओं को 50 वर्ष आयु के बाद अस्थि सघनता की जांच नियमित अन्तराल पर करवानी चाहिए।

65 वर्ष आयु के बाद नेत्र ज्योति और श्रवण क्षमता की जांचें करवाएं।

बच्चों के अतिरिक्त वयस्कों के लिए भी कुछ टीके लगवाना आवश्यक होता है। टिटनेस, डिपथीरिया के टीके 18 वर्ष आयु में फिर 10 वर्ष पर लगवाएं।

यदि चिकन पाक्स ग्रस्त नहीं हुए हैं, तो 18 वर्ष आयु पर एक माह अन्तराल पर दो टीके लगवाएं।

मिजल्स, मम्स, रूबेला [एम.एम.आर] का टीका बचपन में लगना चाहिए। यदि नहीं लगा है, तो किशोरियों, युवतियों को लगाना आवश्यक है।

न्यूमोनिया का एक टीका 65 वर्ष आयु में हर वृद्ध को लगना चाहिए। इंफ्लूएंजा का टीका 50 वर्ष आयु पश्चात् हर वर्ष लगावाएं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सट्टेबाजी से प्रभावित तेल-तिलहन बाजार, अधिकांश कीमतें गिरीं

- सोयाबीन तिलहन को छोड़ अधिकतर तेल-तिलहन के दाम लुढ़के, सरसों में सट्टेबाजों की सक्रियता

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सटोरियों की बढ़ती सक्रियता और कमजोर कारोबारी धारणा के चलते अधिकांश तेल-तिलहनों के भावों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, महाराष्ट्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक पर बेची गई सोयाबीन तिलहन में सुधार आया। बाजार सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर सोयाबीन डीगम तेल के दाम 1,360-65 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,310-15 डॉलर प्रति टन रह जाने से सोयाबीन तेल भी सस्ता हुआ। सटोरिए व्यक्तिगत स्तर पर सरसों की आवक का मनमाना और बढ़ा-चढ़ाकर अनुमान जता रहे हैं, जिससे कारोबारी धारणा प्रभावित हो रही है और कीमतें गिरी हैं। यह सस्ते में खरीद करने की रणनीति का हिस्सा है। इस स्थिति से निपटने के लिए बाजार सूत्रों ने सरकार को सलाह दी है कि वह अभी सस्ते में उपलब्ध सरसों की खरीद कर रणनीतिक स्टॉक बनाए। यह स्टॉक सटोरियों की मनमानी और भविष्य की उठा-पटक से बाजार को बचाने में सहायक होगा, जिससे सरकार बाजार हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाल सकेगी। ऊंचे दाम पर कामकाज कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में भी गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा कारोबारी धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन और बिनौला तेल में भी नरमी बनी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,825-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,370-2,470 रुपये और 2,370-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,825-5,875 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 675 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 525 रुपये की गिरावट के साथ 15,425 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 800 रुपये की गिरावट के साथ 12,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,610-2,910 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 400 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 300 रुपये टूटकर 15,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 200 रुपये के नुकसान के साथ 14,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारी वाहनों के लिए डीजल इंजन ज्यादा उपयुक्त-एक्सपर्ट

नई दिल्ली ।

नई कार खरीदते समय अक्सर दिमाग में आता है कि पेट्रोल इंजन वाली गाड़ी खरीदें या डीजल इंजन वाली? व्हीकल एक्सपर्ट की माने तो पेट्रोल इंजन आमतौर पर हाई आरपीएम पर ज्यादा पावर जनरेट करते हैं, जिससे गाड़ी तेजी से स्पीड पकड़ती है और उसका एक्सेलरेशन बेहतर होता है। यह शहर की ड्राइविंग और स्पोर्टी अनुभव के लिए आदर्श है। वहीं, डीजल इंजन लो आरपीएम पर भारी टॉर्क पैदा करते हैं, जो भारी लोड खींचने, पहाड़ियों पर चढ़ने या हाईवे पर ओवरटेकिंग के लिए मजबूत पकड़ प्रदान करता है।

10 साल में अक्षय तृतीया पर सोना 400 फीसदी और चांदी 2.06 लाख रुपए हुई महंगी

- 2025 में अक्षय तृतीया पर सोने का भाव 95500 रुपये प्रति 10 ग्राम था, अब 151000 रुपए

नई दिल्ली ।

अक्षय तृतीया का त्योहार 19 अप्रैल को है। 10 साल पहले 2016 में अक्षय तृतीया के पर 10 ग्राम सोने की कीमत 30,100 रुपये थी। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 151358 रुपये प्रति 10 ग्राम बना हुआ है। यानी अगर किसी निवेशक ने 2026 में अक्षय तृतीया के समय पर 10,000 रुपये का निवेश किया होगा उसका इनवेस्टमेंट बढ़कर 45000 रुपये हो गया होगा। निवेशकों का तगड़ा फायदा हुआ है। बता दें कि 10 साल में सोने का भाव 400 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं 2016 में अक्षय तृतीया के त्योहार के समय पर 1 किलो चांदी का रेट 41200 रुपये था। जो कि शुक्रवार 17 अप्रैल की शाम को 247930 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। यानी 10 साल में चांदी की कीमतों में 2,06,730 रुपये बढ़ोतरी देखने को मिली है।पिछले एक साल में 50 फीसदी बढ़ा सोने का का भाव- 2025 में अक्षय तृतीया के समय पर सोने का भाव 95500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। अब 151000 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। यानी बीते साल अक्षय तृतीया की तुलना में इस बार सोना 50 फीसदी से अधिक बढ़ चुका है। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव शुक्रवार 17 अप्रैल की शाम को 151358 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। वहीं 23 कैरेट सोने का भाव 150752 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने का भाव 138644 रुपये, 18 कैरेट सोने का भाव 113519 रुपये और 14 कैरेट सोने का भाव 88544 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। इससे पहले 16 अप्रैल को सोने का भाव 153305 रुपये प्रति 10 ग्राम था। यानी महज दो दिन में सोने का भाव में करीब 2000 रुपये की गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि अप्रैल के महीने में गोल्ड का रेट लगभग स्थिर ही बना हुआ है। इसी साल एक समय पर सोने का भाव 175000 रुपये को पार कर गया था। लेकिन वहां से सोने का भाव में भारी गिरावट देखने को मिली। इसके पीछे की वजह डॉलर का मजबूत होना माना जा रहा है।

सिक्किम की टेमी चाय फर्स्ट फ्लश 27,000 रुपए किलो बिकी

गंगटोक ।

सिक्किम के सरकारी स्वामित्व वाले टेमी टी एस्टेट की 'फर्स्ट फ्लश' ऑर्गेनिक चाय ने चालू सत्र में 27,000 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड कीमत हासिल कर चाय उद्योग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। अपनी कोमल सुगंध और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध यह चाय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत मांग बनाए हुए है। शुरुआती खेपों की खुली बोली में खरीदारों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे बाद की खेपों के लिए भी उत्साह बना हुआ है। बयान में इस रिकॉर्ड कीमत का श्रेय सावधानीपूर्वक अपनाई जाने वाली तुड़ाई प्रक्रिया को दिया गया है, जिसमें केवल एक कली और दो पत्तियां ही चुनी जाती हैं। फिलहाल, बागान में ताजी पत्तियों की तुड़ाई और ऑर्थोडॉक्स ब्लैक टी व ऊलॉन्ग टी जैसी प्रीमियम किस्मों का उत्पादन जारी है।

टोयोटा की चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की शानदार शुरुआत करते हुए टोयोटा ने अपनी चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर किया है। छूट के साथ उपलब्ध गाड़ियों की लिस्ट में शामिल टोयोटा अर्बन क्रूज़र हाईराइडर पर ग्राहक रुपए 1.10 लाख तक की बचत कर सकते हैं। हाईराइडर का एक्सटीरियर बोल्ड और प्रीमियम है। इसमें आक्रामक स्प्लिट हेडलैंप्स, क्रोम ग्रिल और एलईडी डीआरएल इसे एक आकर्षक लुक देते हैं। यह हाइब्रिड एसयूवी अपनी 27.97 किमी प्रति लीटर तक की एआरएआई क्लेम्ड माइलेज, उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और प्रीमियम कम्फर्ट के लिए जानी जाती है। साइड प्रोफाइल में रूफ रेल्स और 17 इंच के मशीन्ड अलॉय व्हील्स इसकी एसयूवी पहचान को मजबूत करते हैं। 210 मिमी का ग्राउंड क्लियरेंस इसे शहरी और हाईवे दोनों तरह की सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है। केबिन के अंदर डुअल-टोन डैशबोर्ड, 9 इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पैनोरमिक सनरूफ प्रीमियम फील देते हैं। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट और एंबिएंट लाइटिंग लंबी यात्राओं को आरामदायक बनाती हैं। पीछे की सीटें रिक्लाइनिंग हैं, जिससे यात्रियों को पर्याप्त जगह मिलती है, हालाँकि सनरूफ के कारण हेडरूम थोड़ा प्रभावित हो सकता है। 373 लीटर का बूट स्पेस भी पर्याप्त है। फीचर्स के मामले में हाईराइडर में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो/एपल कारप्ले, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और कनेक्टेड कार टेक जैसे आधुनिक उपकरण हैं।

वैश्विक कारकों के साथ कंपनियों के तिमाही परिणामों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रगति पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह दर्ज की गई तेजी के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए चुनौतियों और अवसरों से भरा रहने वाला है। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर बाजार की गहरी नजर रहेगी, जो अगले कुछ दिनों में बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भू-राजनीतिक मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में चल रही शांति वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रगति पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। इस क्षेत्र में कोई भी सकारात्मक घटनाक्रम वैश्विक बाजारों के लिए शुभ संकेत हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता या गिरावट इक्विटी बाजार को मजबूती प्रदान कर सकती है और व्यापक आर्थिक परिदृश्य को भी सहारा दे सकती है। घरेलू मोर्चे पर मार्च महीने के लिए आठ प्रमुख उद्योग क्षेत्रों के प्रदर्शन के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे, जो अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का महत्वपूर्ण सूचक होंगे। हालांकि, निवेशकों का सबसे अधिक ध्यान कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों पर केंद्रित रहेगा। यह अर्निंग सीजन बाजार में शेयरों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आगामी सप्ताह में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, हेवेल्स, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस जैसी दिग्गज कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करने वाली हैं। सोमवार को बाजार के भागीदार पिछले सप्ताह जारी हुए एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे बड़े बैंकिंग दिग्गजों के परिणामों पर भी अपनी प्रतिक्रिया देंगे। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि चौथी तिमाही का आय सीजन प्रमुख आकर्षण होगा, जो सभी क्षेत्रों में शेयरों की चाल तय करेगा। कंपनियों के प्रबंधन की टिप्पणियां और कमाई में अप्रत्याशित नतीजे खासकर बड़ी कंपनियों की तरफ से इंडेक्स की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कुल मिलाकर बाजार का माहौल बेहतर हुआ है

लेकिन इस तेजी का बने रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे भी खरीदारी जारी रहती है या नहीं और बाहरी हालात कितने स्थिर रहते हैं। कोई भी प्रतिकूल भू-राजनीतिक घटनाक्रम या कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी बाजार में फिर से उतार-चढ़ाव ला सकती है।

पश्चिम एशिया संकट का असर, मार्च में भारत की एलपीजी खपत 13 फीसदी गिरी

- सरकार ने व्यावसायिक आपूर्ति में कटौती कर घरेलू उत्पादन बढ़ाया

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति दिक्कतों के कारण भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत में मार्च में 13 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह खपत 23.79 लाख टन रही, जिससे घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्धता पर सीधा असर पड़ा। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक, यह आंकड़ा मार्च 2023 के 27.29 लाख टन से 12.8 प्रतिशत कम है। भारत अपनी 60 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है। ईरान-इजराइल तनाव के कारण जलडमरूमध्य के बंद होने और खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने से यह संकट गहराया, जिसके चलते सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने हेतु होटल और उद्योगों की एलपीजी आपूर्ति में कटौती की। मार्च में घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटी, जबकि गैर-घरेलू उपयोगकर्ताओं को 48 प्रतिशत और थोक बिक्री में 75.5 प्रतिशत की भारी कमी आई। इस कमी को दूर करने के लिए, सरकार ने रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन उत्पादन से हटकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया, जिससे मार्च में घरेलू एलपीजी उत्पादन 11 लाख टन से बढ़कर 14 लाख टन हो गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ, रिलायंस और इन्फोसिस को नुकसान

मुंबई । पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार उछाल देखने को मिला, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों को मिला। इस दौरान आठ प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार में इस सकारात्मक रुझान के चलते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 5.77 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 5.88 प्रतिशत के मजबूत लाभ में रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की खबरों ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया, जिससे शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। इस तेजी में निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में जिन कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, उनमें एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। इसके विपरीत, दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन्फोसिस की बाजार हैसियत में मामूली गिरावट आई। आंकड़ों के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया। इनके अलावा, बजाज फाइनेंस ने 60,980.35 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो ने 47,624.97 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल ने 45,873.43 करोड़ रुपये का इजाफा दर्ज किया। एसबीआई का मार्केट कैप 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़ा। इस सकारात्मक रुझान के विपरीत इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये

घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई। बाजार पूंजीकरण के मामले में, रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी 18.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा।

वैश्विक संकट के बावजूद एलपीजी आपूर्ति सुदृढ़, प्रवासी मजदूरों को मिली राहत

5 किलो वाले छोटे सिलेंडरों की बिक्री 17 लाख पार, वाणिज्यिक और घरेलू गैस की उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली । सरकार ने कहा कि पश्चिमएशिया में बदलती परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह मजबूत बनी हुई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, खासकर प्रवासी मजदूरों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराए गए 5 किलो वाले छोटे एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडरों की बिक्री 23 मार्च से अब तक 17.25 लाख से अधिक हो चुकी है। सरकार घरेलू, वाणिज्यिक और ऑटो एलपीजी की सुचारु आपूर्ति के साथ-साथ पीएनजी विस्तार पर भी जोर दे रही है। मंत्रालय ने बताया कि 3 अप्रैल से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने 6,450 से अधिक जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनके माध्यम से 90,000 से ज्यादा छोटे सिलेंडर बेचे गए। राज्य सरकारें ओएमसी की मदद से इन्हें प्रवासी मजदूरों तक पहुंचा रही हैं। कमर्शियल एलपीजी की कुल आपूर्ति को संकट-पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। 8,216 मीट्रिक टन कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई, और 14 मार्च से अब तक कुल 1.58 लाख मीट्रिक टन से अधिक वाणिज्यिक एलपीजी बेची जा चुकी है, जिसमें 9,200 मीट्रिक टन से अधिक ऑटो एलपीजी भी शामिल है। ऑटो एलपीजी की मांग में पीएसयू कंपनियों की ओर झुकाव बढ़ा है, जिससे कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में उनकी बिक्री में 70 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। पीएनजी विस्तार से जुड़े सुधारों के कारण 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी भी आवंटित की गई है। मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक 4.76 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं और 5.33 लाख से ज्यादा नए ग्राहकों ने पंजीकरण कराया है। पीएनजी की बढ़ती लोकप्रियता के चलते 17 अप्रैल तक 37,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वैश्विक हालात के बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है और किसी भी एलपीजी वितरक के पास गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) प्रणाली के माध्यम से 93 प्रतिशत से अधिक डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। 17 अप्रैल को ही देशभर में 52 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जो मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का प्रमाण है।

अक्षय तृतीया पर परंपरा संग तकनीक का नया मेल, डिजिटल गोल्ड से और भी शुभ हुई खरीदारी

- डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे नए विकल्पों ने इस पारंपरिक खरीदारी को एक नया आयाम दिया

नई दिल्ली । विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ जैसे विकल्प इस शुभ अवसर पर सोने की खरीदारी को आसान और सुविधाजनक बना रहे हैं, बिना परंपरा को चुनौती दिए। भारतीय संस्कृति में सौभाग्य और समृद्धि का महापर्व अक्षय तृतीया साल 2026 में 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर सोने की खरीदारी की सदियों पुरानी परंपरा में अब तकनीक का नया रंग घुल रहा है। क्या डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ जैसे आधुनिक विकल्प इस परंपरा को चुनौती दे रहे हैं? कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक चुनौती नहीं, बल्कि खरीदारी को और अधिक सुलभ और सुविधाजनक बना रही है। परंपरा को सुगम बनाते डिजिटल विकल्प भारत में अक्षय तृतीया और धनतेरस ऐसे दो बड़े पर्व हैं जब सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है। पहले लोग इस दिन के लिए पहले से ही विस्तृत योजना बनाते थे, चाहे वह शादी के गहने हों, किसी को उपहार देना हो या केवल निवेश के लिए सोने का एक छोटा टुकड़ा। अधिकांश खरीदारों का उद्देश्य अक्षय तृतीया के दिन अपने घर तक सोने की डिलीवरी सुनिश्चित करना होता था। आज के दौर में, डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे नए विकल्पों ने इस पारंपरिक खरीदारी को एक नया आयाम दिया है। केयूर शाह बताते हैं कि डिजिटल गोल्ड किसी भी परंपरा को खत्म या चुनौती नहीं दे रहा है, बल्कि यह लोगों के लिए इसे और ज्यादा आसान और सुविधाजनक बना रहा है। उनके मुताबिक, जो लोग इस शुभ दिन पर केवल एक प्रतीकात्मक खरीदारी करना चाहते हैं, वे अब बस एक बटन क्लिक करके भी आसानी से ऐसा कर सकते हैं और इसमें उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होती। स्मार्ट प्लानिंग से भीड़ से मुक्ति अक्षय तृतीया पर ज्वेलरी स्टोर्स पर लगने वाली भारी भीड़ किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में डिजिटल गोल्ड एक स्मार्ट विकल्प बनकर सामने आया है।`` विशेषज्ञ बताते हैं कि यहां तक कि वे ग्राहक भी, जो अक्षय तृतीया पर भौतिक सोने की डिलीवरी ही चाहते हैं, वे अब डिजिटल माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म आसान रिडेम्पशन और घर पर डिलीवरी की सुविधा प्रदान करते हैं। इससे ग्राहक पहले से ही धीरे-धीरे डिजिटल सोना खरीद सकते हैं और फिर अक्षय तृतीया के शुभ दिन उसे भौतिक गहनों या सिक्कों में बदलकर अपने घर मंगवा सकते हैं। यह तरीका परंपरा को बरकरार रखता है, लेकिन खरीदारी की प्रक्रिया को भीड़भाड़ और जल्दबाजी से मुक्त कर देता है।

उत्तर प्रदेश में आलू किसानों को राहत, 6500 प्रति टन पर खरीदने की अनुमति

- योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी

नई दिल्ली ।

किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार ने 6,500.90 रुपये प्रति टन के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर आलू खरीदने की अनुमति दी है। इस योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी। इस पर सरकार लगभग 203 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अक्सर बाजार में अधिक उत्पादन के कारण आलू के भाव में गिरावट आ जाती है किसानों को भारी नुकसान होता है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों को मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने से बचाएगा। इससे उनकी आय में स्थिरता आएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वहीं सरकार ने एक और आंध्र प्रदेश में चना खरीद की सीमा बढ़ा दी है, पहले जहां 94,500 टन चना खरीदा जाना था, अब इसे बढ़ाकर 1.13 लाख टन कर दिया गया है। कर्नाटक में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत अरहर (तुअर) की खरीद की समय सीमा को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। इससे किसानों को अपनी फसल एमएसपी पर बेचने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। यह कदम उन किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जो समय की कमी के कारण अपनी उपज सही दाम पर नहीं बेच पाते थे। इन सभी फैसलों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंजूरी दी गई। इस बैठक में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सरकार का कहना है कि इन कदमों से किसानों को बेहतर दाम मिलेगा और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। सरकार के इन फैसलों से यह साफ है कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें नुकसान से बचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आलू, चना और अरहर जैसी फसलों पर फोकस कर सरकार ने यह दिखाया है कि वह किसानों की समस्याओं को समझते हुए समाधान निकाल रही है। आने वाले समय में ऐसे कदम कृषि क्षेत्र के लिए और फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

टीवीएस सप्लाई चेन और जेटीई ने सुलझाया कर्ज विवाद

समझौते के बाद एनसीएलएटी में दायर दिवाला अपील वापस ली गई

नई दिल्ली ।

टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस और जेडटीई टेलीकॉम इंडिया के बीच चल रहा कर्ज विवाद अब सुलझ गया है। आपसी समझौते के बाद, टीवीएस सप्लाई चेन ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से अपनी दिवाला अपील वापस ले ली है। यह अपील चंडीगढ़ पीठ द्वारा जेडटीई के खिलाफ उसकी दिवाला याचिका खारिज किए जाने के आदेश के विरुद्ध थी। इस सप्ताह की शुरुआत में, टीवीएस सप्लाई चेन के वकील ने एनसीएलएटी को समझौते की जानकारी देते हुए अपील वापस लेने का अनुरोध किया। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) बरुण मित्रा की दो सदस्यीय पीठ ने कंपनी को अपील वापस लेने की अनुमति दे दी, यह कहते हुए कि मामला पक्षों के बीच सुलझ गया है। पिछले साल अक्टूबर में, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की चंडीगढ़ पीठ ने टीवीएस सप्लाई चेन की दिवाला अर्जी को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा था कि टीवीएस सप्लाई चेन का 4.27 करोड़ रुपये का कर्ज दावा विवादित था और 2017 से उस पर सुलह-सफाई चल रही थी। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस (पूर्व में टीवीएस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज) ने जून 2012 से फरवरी 2019 के बीच की सेवाओं के लिए जेडटीई से बकाया राशि की वसूली हेतु एनसीएलटी का रुख किया था।

जेडटीई ने इन बिलों में कथित गड़बड़ियों का दावा किया था, जिसके बाद यह विवाद उत्पन्न हुआ था।

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल बढ़ा सकती है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाला बढ़ाया जाना तय नजर आता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई साल 2027 एकदिवसीस विश्वकप को देखते हुए अगरकर का करार एक साल बढ़ा सकती है। अगरकर का कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त होने वाला है। बोर्ड का मानना है कि विश्वकप से पहले चयन समिति में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। बीसीसीआई अगरकर की उपलब्धियों से भी संतुष्ट है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। वहीं टीम 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार अगरकर के कार्यकाल में टीम में तेजी से बदलाव हुआ और कई कठिन फैसले बिना किसी दबाव के लिए गये। जिससे बोर्ड प्रभावित है।

ऐसे में बोर्ड के अंदर सभी चाहते हैं कि विश्वकप से पहले चयन समिति में बदलाव ठीक नहीं रहेगा।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार का पद खतर में है। सूर्या ने टीम को जीत दिलायी है पर रन नहीं बनाये हैं, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी को लेकर बोर्ड संतुष्ट नहीं है।

ऐसे में जून-जुलाई में होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे में सूर्यकुमार को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह दौरा तय करेगा कि उन्हें 2028 तक टीम की योजनाओं में शामिल रखा जाएगा या नहीं। खासकर उनकी बल्लेबाजी पर ज्यादा नजर रहेगी।

आईपीएल में आज होगा गुजरात और मुम्बई का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही गुजरात ने शुरुआती झटकों से वापसी करते हुए पिछले तीन मैचों में शानदार जीत हासिल की है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के पास बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्श और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज जबकि गेंदबाजी मे प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खाना जैसे गेंदबाज हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। जिससे टीम दबाव में है और वह किसी भी हाल में इस मैच में जीत चाहेंगी। टीम की बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी है जिसे उसे दूर करना होगा। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण ये मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के पास सूर्यकुमार याद जैसे बल्लेबाज और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उसका अब तक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अपने पिछले पांच मैचों में से चार हारी है। वह घरेलू मैदान में गुजरात टाइटंस का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए चारों मैच जीते हैं, जिससे इस मुकाबले में गुजरात को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। अब तक दोनो के बीच 5 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 5 गुजरात जबकि 3 मुम्बई ने जीते हैं।

इस मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी है। ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यहां का औसत स्कोर 200 के करीब है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह

क्लासेन ऑरेन्ज कैप, कंबोज पर्पल कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचे

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के बाद आईपीएल के इस 19 वें सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं, वहीं सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज नंबर एक पर पहुंचने के साथ ही पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो क्लासेन ने इस मैच में 59 रनों की पारी खेलकर अब तक सत्र में सबसे अधिक रनों के मामले में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए।

क्लासेन के अब 6 मैचों में 283 रन हो गये हैं। वहीं शुभमन ने 4 मैचों में 251 रन बनाए हैं जबकि विराट के नाम 6 मैचों में 247 रन हैं। वहीं आरसीबी के रजत पाटीदार ने 6 मैचों में 230 रन बनाए हैं जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन ने 6 मैचों में 213 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के गेंदबाज अंशुल कंबोज इस मैच के साथ ही सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। कंबोज इसी के साथ ही पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गये हैं।

कंबोज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में अच्छी गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही उन्होंने प्रसिद्द कृष्णा को पीछे छोड़ा। कंबोज के अब कुल 13 विकेट हो गये हैं जबकि कृष्णा के नाम 11 विकेट हैं। अंशुल ने 6 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैच में 10 विकेट जबकि प्रिंस यादव ने 5 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। एक समय शीर्ष पर चल रहे रवि बिश्नोई अब काफी पीछे हो गये हैं। उनके नाम पर 8 हैं।

आईपीएल2026 : रिंकू सिंह का अर्धशतक, केकेआर ने राजस्थान को हराकर पहली जीत दर्ज की

कोलकाता (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह (नाबाद 53) और अनुकूल रॉय (नाबाद 29) रनों की पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को दो गेंदें शेष रहते राजस्थान रॉयल्स (RR) चार विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह 7 मैचों में चयक्रकी पहली जीत है। 85 रन पर छह विकेट गंवा चुकीचयक्रको रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय की जोड़ी ने 19.4 ओवरों में 161 रन बनाकर चार विकेट से जीत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच 76 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी KKR की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहली ही गेंद पर टिम साइफर्ट और दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तान अजिंक्या रहाणे को बिना खाता खोले ही विकेट गंवा दिये। पांचवें ओवर में KKR का तीसरा विकेट कैमरन ग्रीन 13 गेंदों में (27) रन के रूप में गिरा। सातवें ओवर में अंगकृष रघुवंशी (10) रन बना कर पवेलियन लौट गये। रोवमन पॉवेल 20 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 14वें ओवर में रमनदीप सिंह (10) रन बनाकर छठें विकेट के रूप में आउट हुए।

संकट के समय रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने संभला और रन बटोरे और दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को टूर्नामेंट में पहली जीत दिलाई। रिंकू सिंह ने बृजेश शर्मा की गेंद पर विजयी छक्का लगाया। रिंकू सिंह ने 34 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 53 रन बनाये। वहीं अनुकूल रॉय 16 गेंदों 29 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का भी लगाया। क्रमके लिए रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, नाद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और यश पुंजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर RR ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़कर राजस्थान रॉल्यस को अच्छी शुरुआत दिलाई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। वैभव सूर्यवंशी ने 28 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए 46 रन बनाये। 11वें ओवर में वरुण ने ध्रुव जुरेल (पांच) का शिकार कर लिया। अगले ओवर में सुनील नारायण ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर RR को बड़ा झटका दिया।

जायसवाल ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। इसके बाद KKR के गेंदबाजों ने क्रमके लगातार विकेट झटकते हुए उनके रन बनाने पर विराम लगा दिया। कप्तान रियान पराग (12) को भी वरूण चक्रवर्ती ने आउट किया। डॉनोवन फ़रेरा (सात) का सुनील नारायण ने शिकार किया। रवींद्र जडेजा (नौ) और रवि बिश्नोई (शून्य) को कार्तिक त्यागी ने आउट किया। RR ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 155 रनों का स्कोर बनाया। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कार्तिक त्यागी और वरुण चक्रवर्ती ने तीन- तीन विकेट लिये। सुनील नारायण को दो विकेट मिले।

सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको को हराकर कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले (स्पेन)। रियाल सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको मैड्रिड को हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फाइनल मैच अतिरिक्त समय के बाद 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। सोसिडाड के गोलकीपर उनाई मैरेरो ने अलेक्जेंडर सोरलॉथ और जूलियन अल्वारेज़ के शॉट को बचाया। इसके बाद पाब्लो मारिन ने अंतिम किक को गोल में बदला जिससे सोसिडाड ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पेलेग्रिनो माटाराज़ो के सोसिडाड का कोच बनने के बाद स्पेन के क्लब की यह पहली जीत है। माटाराजो ने कहा, 'यह अविश्वसनीय सफर रहा है और मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत हो सकती है।'

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने दिया अपडेट, वापसी की उम्मीद जताई

हैदराबाद (तेलंगाना)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक IPL 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट (calf strain) से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह ष्टस्च्र की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद CSK के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, 'वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं।' हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। CSK के बैटिंग कोच ने कहा, 'जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे। वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।'

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई. रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, 'जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे।' इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए संभल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी। सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, 'अंतिम 10 ओवर में 80 रन चाहिए थे। वहां से दो-तीन साझेदारियां बनती तो टीम जीत के करीब पहुंचती पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले तीन मैचों से गेंदबाजी यूनिट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आज भी पावरप्ले में सनराइजर्स के अभिषेक ने अच्छी बल्लेबाजी की पर हमारे गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने नहीं दिया। उन्होंने विशेष रुप से अंकुल कम्बोज की गेंदबाजी को सराहा।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा: रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतरीन होना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया, एक शॉर्ट बॉल को फ्रंट प्रेस से मिड-विकेट के ऊपर से छक्का मारकर भेज दिया।

अश्विन ने बताया कि उस समय वह ऑन एयर थे और यह सच में अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा कि अय्यर ने चेन्नई के खिलाफ चेपॉक में अपने पहले ही गेम में ऐसा ही शॉट खेला था, जो उनका यह कहने का तरीका है कि तुम चाहते हो कि मैं साबित करूं कि मैं शॉर्ट बॉल खेल सकता हूं? नहीं, मैं तुम्हें कुछ साबित नहीं करूंगा। इसके बजाय, वह खुद को दिखा रहे हैं कि वह कितना काबिल हो सकते हैं और कितना अच्छा करने के लिए मेहनत कर सकते हैं। अश्विन ने कहा कि उनके जैसे क्रिकेटरों को देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती है, क्योंकि उन्होंने पूरी ज़िंदगी खुद से यही कहा है- किसी को जवाब मत दो; बस आगे बढ़ते रहो।

अश्विन ने राष्ट्रीय टी20 टीम में अय्यर की वापसी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि अगर वह टीम से बाहर रहते हैं और उन्हें लीडरशिप रोल नहीं दिया जाता है, तो नुकसान देश का होगा, खिलाड़ी का नहीं। अश्विन ने कहा कि उनकी रेंज और उनके लीवर्स जबरदस्त हैं; वह शॉट के जरिए गेंद को दूर तक भेजते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि श्रेयस अय्यर को नजरअंदाज करना अपने लिए ही खतरा है। अगर वह टीम में नहीं हैं या लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा नहीं हैं, तो नुकसान उनका नहीं, हमारा होगा।

आईपीएल में किसी एक स्थल पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बनी आरसीबी

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने आईपीएल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आरसीबी किसी एक स्थल पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ ही उसने अपना 100 मैच किसी एक स्थल पर खेला। इस प्रकार से आरसीबी आईपीएल इतिहास में किसी एक वेन्यू पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई है। चेन्नास्वामी के मैदान पर आरसीबी का यह 100वां मुकाबला था। इससे पहले किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने एक वेन्यू पर 100 मैच नहीं खेले हैं। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर की टीम किसी एक स्थल पर सबसे अधिक मैच खेलने वाली दूसरी टीम है। केकेआर ने अपने घरेलू मैदान इडेन गॉर्डंस पर अब तक 98 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में आरसीबी के खिलाड़ी पर्यावरण संरक्षण का हवाला देते हुए हरी जर्सी पहनकर उतरे हैं। यह जर्सी वस्तुआओं को रीसाइकिल करके बनाई जाती हैं। आरसीबी 2011 से ही से हर सत्र में 1 मैच में हरी जर्सी पहनकर मैदान में उतरती है जिससे कि पर्यावरण बचाने का संकेत दे सके। आरसीबी ने साल 2011 से अब तक हरी जर्सी में कुल 15 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से सिर्फ 5 मैच में ही जीत हासिल कर सकी है, जबकि 9 मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का परिणाम नहीं आया।

टिम डेविड ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड : सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज टिम डेविड ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी 63 रनों की अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया के टिम अब सबसे कम गेंदों में एक हजार आईपीएल रन पूरा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। वहीं आईपीएल में सबसे कम गेंदों में एक हजार रन पूरा करने के मामले में वेस्ट इंडीज के आंद्रे रसल पहले नंबर पर हैं। रसल ने 545 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे जबकि टिम डेविड ने 560 गेंदों में अपने 1000 रन पूरे किये। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। हेड ने 575 गेंदों में एक हजार रन जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट ने 575 गेंदों में एक हजार बनाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने 594 गेंदों में एक हजार बनाए थे। भारत के वीरेंद्र सहवाग ने 604 गेंदों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

मैं विरोधियों के हाथों से मैच छीन सकता हूं : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने खेल के प्रति अपने नजरिए और सीनियर लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की अपनी लंबी अवधि की महत्वाकांक्षा के बारे में आत्मविश्वास से भरा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने दबाव वाली स्थितियों में मैच का रुख बदलने की अपनी क्षमता पर भी जोर दिया। सूर्यवंशी ने दूरदर्शन पर बोलते हुए क्रीज पर अपने माइंडसेट और अपने क्रिकेटिंग सफर के बारे में अपने परिवार के साथ हुई बातचीत पर बात की।

अपने आत्मविश्वास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी वह क्रीज पर होते हैं, तो उनका ध्यान अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करके खेल पर असर डालने पर ही रहता है। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं जितनी भी देर मैदान पर रहता हूं, जब तक मैं अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करता हूं, हावी होकर खेलता हूं, तब तक मैं विरोधियों के हाथों से मैच छीन सकता हूं। मैंने अपने पिता से भी बात की। उन्होंने कहा कि मैंने उनका आधा सपना पूरा कर दिया है, लेकिन आधा अभी भी बाकी है। मुझे सीनियर भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड कप खेलना है। जाहिर है कि हर खिलाड़ी का यही सपना होता है भारत के लिए खेलना और अपने देश, भारत के लिए जीतना। भारत के लिए मेरा यही लक्ष्य है।'

भारत के पूर्व क्रिकेटर सबा करीम ने सूर्यवंशी की स्वाभाविक स्ट्राइकिंग क्षमता की तारीफ की और उनकी जबरदस्त ताकत की तुलना कम उम्र में देखे गए कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों से की। उन्होंने ताकत और तकनीकी बारीकियों के बीच एक फर्क बताया, और कहा कि इस युवा खिलाड़ी की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वाभाविक क्षमता में है, न कि किसी तय कोचिंग में।

उन्होंने कहा, 'सचिन तेंदुलकर में मैंने जिस उम्र में जो ताकत देखी थी, वैभव सूर्यवंशी में उससे भी ज्यादा ताकत है। मैं ताकत की बात कर रहा हूं, तकनीक की नहीं। इस लड़के की बैट स्पीड, उसका स्विंग, उसका हाई बैक-लिफ्ट, ये सब अविश्वसनीय है। और कोई भी कोच यह नहीं सिखा सकता। यह आपको जन्म से ही मिलता है।' अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने छह मैचों में 236.53 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं।

हनुमानजी की 11 मुखी मूर्तियां करती हैं अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति

प्रत्येक व्यक्ति को हनुमानजी की भक्ति करना चाहिए। कलियुग में हनुमान ही एकमात्र जाग्रत देव हैं। उनका चारों युग में प्रताप है। उनकी भक्ति से व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश?वास का संचार होता है। हनुमानजी की भक्ति हर संकट से बचाती है। भक्तों ने अपनी भक्ति के चलते हनुमानजी के अलग-अलग रूप को पूजनीय बनाया है। कहते हैं कि हनुमानजी की भिन्न-भिन्न मूर्तियों की उपासना से भिन्न-भिन्न फल की प्राप्ति होती है। वैसे हनुमाजी की और भी मुखों वाली मूर्तियां हैं लेकिन हम जानते हैं 11 मुख वाले हनुमाजी की मूर्तियों की उपासना के लाभ।

● पूर्वमुखी

पूर्व की तरफ जो मुंह है उसे 'वानर' कहा गया है। जिसकी प्रभा करोड़ों सूर्यों के तेज समान हैं। इनका पूजन करने से समस्त शत्रुओं का नाश हो जाता है। इस मुख का पूजन करने से शत्रुओं पर विजय पाई जा सकती है।

● पश्चिममुखी

पश्चिम की तरफ जो मुंह है उसे 'गरूड़' कहा गया है। यह रूप संकटमोचन माना गया है। जिस प्रकार भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ अजर-अमर हैं उसी तरह इनको भी अजर-अमर माना गया है।

● उत्तरामुखी हनुमान

उत्तर दिशा देवताओं की मानी जाती है। यही कारण है कि शुभ और मंगल की कामना उत्तरामुखी हनुमान की उपासना से पूरी होती है। उत्तर की तरफ जो मुंह है उसे 'शूकर' कहा गया है। इनकी उपासना करने से अबाध धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु तथा निरोगी काया प्राप्त होती है।

● दक्षिणामुखी हनुमान

दक्षिण की तरफ जो मुंह है उसे 'भगवान नृसिंह' कहा गया है। यह रूप अपने उपासको को भय, चिंता और परेशानीयों से मुक्त करवाता है। दक्षिण दिशा में सभी तरह की बुरी शक्तियों के अलावा यह दिशा काल की दिशा मानी जाती है। यदि आप अपने घर में उत्तर की दीवार पर हनुमानजी का चित्र लगाएंगे तो उनका मुख दक्षिण की दिशा में होगा। दक्षिण में उनका मुख होने से वह सभी तरह की बुरी शक्तियों से हमें बचाते हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की साधना काल, भय, संकट और चिंता का नाश करने वाली होती है।

● ऊर्ध्वमुख

हनुमानजी का ऊर्ध्वमुख रूप 'घोड़े' के समरूप है। यह स्वरूप ब्रह्माजी की प्रार्थना पर प्रकट हुआ था। मान्यता है कि हयग्रीवदैत्य का संहार करने के लिए वे अवतरित हुए थे।

● पंचमुखी हनुमान

राम लक्ष्मण को अहिरावण से मुक्त कराने के लिए हनुमानजी ने पंचमुखी रूप धारण किया था। पांचों दीपक को एक साथ बुझाने पर अहिरावन का वध हो जाएगा इसी कारण हनुमान जी ने पंचमुखी रूप धरा। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरुड़ मुख, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख।

● एकादशी हनुमान

श्रीहनुमानजी रुद्र यानी शिव के ही ग्यारहवें अवतार माने गए हैं। ग्यारह मुख वाले कालकारमुख नामक एक भयानक बलवान राक्षस का वध करने के लिए श्रीराम की आज्ञा से हनुमानजी ने एकादश मुख रूप ग्रहण करके चैत्र पूर्णिमा (हनमान जयंती) को शनिश्चर के दिन उस राक्षस का उसकी सेना सहित वध कर दिया था। एकादशी और पंचमुखी हनुमान जी पूजा से सभी देवी और देवताओं की उपासना के फल मिलते हैं।

● वीर हनुमान

जैसा की नाम से ही विदित है कि इस नाम से हनुमानजी की प्रतिमा की पूजा जीवन में साहस, बल, पराक्रम और आत्मविश्वास प्रदान कर सभी कार्यों की बाधाओं को दूर करती है।

● भक्त हनुमान

राम की भक्ति करते हुए आपने हनुमानी का चित्र या मूर्ति देखी होगी। इस चित्र या मूर्ति की पूजा से जीवन के लक्ष्य को पाने में आ रहीं अड़चनें दूर होती है। साथ ही यह भक्ति जरूरी एकाग्रता और लगन देने वाली होती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी हाथ में करताल लेकर राम की भक्ति करते नजर आएंगे।

● दास हनुमान

हनुमानजी रामजी के दास हैं। सदा रामकाज करने को आतुर रहते हैं। दास हनुमान की आराधना से व्यक्ति के भीतर सेवा और समर्पण की भावना का विकास होता है। धर्म, कार्य और रिश्तों के प्रति समर्पण और सेवा होने से ही सफलता मिलती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी प्रभु श्रीरामजी के चरणों में बैठे हुए हैं।

● सूर्यमुखी हनुमान

शास्त्रों के मुताबिक श्रीहनुमान के गुरु सूर्यदेव हैं। सूर्य पूर्व दिशा से उदय होकर जगत को प्रकाशित करता है। सूर्यमुखी हनुमान की उपासना से ज्ञान, विद्या, ख्याति, उन्नति और सम्मान मिलता है। सूर्यमुखी हनुमान को ही पूर्वमुखी हनुमान कहते हैं। कहा जाता है कि अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सही तरीके व सम्मान से नहीं की जाए, तो इसको भूलकर भी घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। दरअसल, पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं होता है।

घर में क्यों नहीं रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

हनुमान जी का पंचमुखी स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से घर का माहौल अशांत और उग्र हो सकता है। खासकर यदि पंचमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा न की जाए। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करना आसान नहीं होता है, इनकी पूजा के कुछ विशेष नियम होते हैं। ऐसे में सब लोग इन नियमों का सभी लोग पालन नहीं कर पाते हैं। अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में कोई कमी होती है, तो इससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

कहां रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मंदिरों में की जाती है। जहां पर उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान की मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा माना जाता है।जिससे कि उनकी नियम से पूजा की जा सके। कुछ व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, साथ ही यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से भी रखा करती है।

पंचमुखी हनुमान को माना जाता है साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक

हिंदू धर्म में पंचमुखी हनुमान को साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय होती है। हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन बहुत से लोग घरों में भी पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं।हनुमान जी के पांच मुख उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख और पूर्व दिशा हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान

बता दें कि घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को रखने से सही दिशा और स्थान का चयन जरूर कर लें। ज्योतिष और वास्तु के मुताबिक गलत दिशा और स्थान पर हनुमान जी के इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में पॉजिटिव ऊर्जा की जगह वास्तु दोष पैदा हो सकता है। अक्सर लोग पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति को घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। लेकिन यह स्थान उपयुक्त नहीं माना जाता है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही से उपयोग नहीं हो पाता है और अंजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है।

सनातन धर्म में तुलसी पूजा का महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। तुलसी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी की मंजरी से जुड़े उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या दूर होती है।

श्रीहरि होंगे प्रसन्न–यदि आप भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद प्रभु की पूजा करें और उनके चरणों में तुलसी की मंजरी चढ़ाएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को विधिपूर्वक करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आर्थिक तंगी होगी खत्म–अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का विधिपूर्वक अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी जल्द खत्म होती है और हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहती है।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं। कुछ समय के बाद इसे पर्स या फिर तिजोरी में रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से तिजोरी पैसों से कभी खाली नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि–अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सनातन धर्म में तुलसी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और इसकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। तुलसी की मंजरी का उपयोग विभिन्न ज्योतिषीय उपायों में किया जाता है, जिससे जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। इस लेख में हम तुलसी पूजा के महत्व और इसके ज्योतिषीय लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

सनातन धर्म में तुलसी का है विशेष महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी हैं। , तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है।

यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। इसके अलावा तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है। अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं। कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है। तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी। इसके लिए तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के उस स्थान पर रख दें, जहां आप अपना धन रखते हैं। ऐसा करने से आपके घर में मां लक्ष्मी का वास होगा.

घर से निकलने से पहले हथेली पर लगाएं गुलाब का इत्र

● कुछ ही हफ्ते में खत्म होंगी ये 2 परेशानियां

वास्तु शास्त्र के हिसाब से हफ्ते के सातों दिन किसी ना किसी ग्रह से जरूर जुड़े होते हैं। अगर दिन के हिसाब से हम छोटे-छोटे उपाय करने लगे तो इसका असर जिंदगी में धीरे-धीरे दिखने लगेगा। शास्त्र के हिसाब से शुक्रवार का दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं इस दिन का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शास्त्र में शुक्र को लग्जरी, प्यार और पैसा देने वाला ग्रह कहा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है, उनकी जिंदगी में इन चीजों को कमी कभी नहीं होगी। अगर आपकी कुंडली में ये ग्रह उतना मजबूत नहीं हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। अगर शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर लिया जाए तो तमाम लोग इससे होने वाले फायदे का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि ये उपाय क्या है और इससे क्या-क्या लाभ हमें मिल सकते हैं?

शुक्र ग्रह का मजबूत और कमजोर होना

शुक्रवार और शुक्र ग्रह का बेजोड़ संबंध है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह के मजबूत और कमजोर होने से इसका असर सुख-सुविधाओं, रिश्तों और पैसों पर पड़ता है। जब शुक्र मजबूत होता है तो जिंदगी में प्यार और पैसे की कोई कमी नहीं होती है। जिनका ये ग्रह मजबूत होता है वो लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। वहीं इसके कमजोर होते ही रिश्तों में मनमुटाव की स्थिति बनती है और पैसों की तंगी परेशान करती है।

हथेली पर लगा लें गुलाब का इत्र

अगर आपको अपना शुक्र ग्रह मजबूत करना है तो शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह के उपाय के तौर पर बताया जाता है कि गुलाब का इत्र से काफी लाभ मिल सकते हैं। अगर घर से निकलने से पहले हथेली पर थोड़ा सा इत्र लगा लिया जाए तो इसे काफी शुभ माना जाता है। हालांकि इत्र को लगाने का भी नियम है।

रोज-रोज झगड़ों की वजह हो सकते हैं यह वास्तु दोष

घर में किसी न किसी बात पर अक्सर झगड़े होते रहते हैं। इसके लिए कहीं वास्तुदोष तो जिम्मेदार नहीं है। हमारे जीवन में वास्तु का विशेष महत्व होता है। वास्तु के उपाय से निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में फैली तमाम तरह की परेशानियों को दूर किया जा सकता है। यह कुछ ऐसे ही टिप्स हैं जिन्हें अपनाकर सभी तरह की परेशानियों से पीछा छुड़ाया जा सकता है।

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण का विशेष महत्व होता है। इस दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। घर का ईशान भाग उठा हुआ नहीं होना चाहिए। घर के इस हिस्से में यह दोष होने से पिता-पुत्र के बीच दूरियां बढ़ती है।

घर के उत्तर पूर्व कोने में स्टोर रूम नही बनवाना चाहिए ऐसा करने से भी घर के सदस्यों के बीच लड़ाई-झगड़ा होता है।

वास्तु अनुसार उत्तर पूर्वी दिशा में रसोई घर या शौचालय होने पर घर के सदस्यों की बीच में मनमुटाव बना रहता है। इस परेशानी को दूर करने के लिए घर के उत्तर पूर्वी दिशा में रसोईघर या शौचालय नहीं होना चाहिए।

ईशान कोण पर बिजली के उपकरणों को रखने से पिता पुत्र के बीच अनबन बनी रहती है। घर के उत्तर पूर्वी दिशा में इन चीजो को नही रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए इससे घर के सदस्यों के बीच में मनमुटाव रहता है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा।

वास्तु में दिशाओं का महत्व

● आपके दैनिक जीवन ● स्वास्थ्य और धन पर दिशाओं का चमत्कारी प्रभाव

वास्तु में दिशाओं का महत्व केवल घर या सामान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर मनुष्यों पर भी पड़ता है। कोई व्यक्ति किस दिशा में सोता है, जागता है, खाता है या काम करता है, इन सबका प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है।

वास्तुशास्त्र में अलग-अलग दिशाएँ अलग-अलग ऊर्जाओं से जुड़ी होती हैं। ये दिशाएँ केवल घर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के जीवन की दिशा भी तय करती हैं। जिस दिशा में हम रहते, काम करते, सोते या पूजा करते हैं, उसका सीधा असर हमारी सोच, स्वास्थ्य, धन और रिश्तों पर पड़ता है। दिशाओं का असर केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी होता है। सूर्य की गति, हवा का प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र सीधे तौर पर स्वास्थ्य और मूड को प्रभावित करते हैं।

पूर्व दिशा –पूर्व दिशा को उन्नति, अध्यात्म और ज्ञान की दिशा माना गया है। यह दिशा सूर्य की दिशा है। इस दिशा की ऊर्जा का असर बुद्धि, आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा और करियर में उन्नति पर पड़ता है। इसलिए, इस दिशा में अध्ययन कक्ष, मुख्य द्वार, बच्चों का कमरा होना बेहद शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा में खिड़की या पूजा स्थान होने से सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति मिलती है। इस दिशा में दोष होने पर निर्णय क्षमता कमजोर और अवसर हाथ से निकलना जैसी

पश्चिम दिशा–यह लाभ और संतुलन की दिशा मानी जाती है। इस दिशा की ऊर्जा से मेहनत का फल, धैर्य और सामाजिक मान-सम्मान मिलता है। सूर्यास्त की ऊर्जा मन को शांत करती है और दिन का संतुलन देती है। इस दिशा में भोजन कक्ष बनाने या बच्चों का कमरा बनाने की सलाह दी जाती है। पश्चिम दिशा में भोजन कक्ष या बैठक कक्ष होने से परिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। इस दिशा में दोष होने पर काम में देरी या अपेक्षित परिणाम न मिलने जैसी समस्याएं भुगतनी पड़ती है।

उप-दिशाओं का असर

अग्नि कोण

यह दिशा ऊर्जा, स्वास्थ्य और पाचन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसलिए, इस दिशा में रसोई बनानी की सलाह दी जाती है। इस दिशा में दोष होने पर क्रोध या वैवाहिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दक्षिण दिशा -

यम की दिशा होने के कारण इसे अक्सर गलत समझा जाता है, जबकि यह स्थिरता और शक्ति की दिशा है। लोगों को इस दिशा में मास्टर बेडरूम बनाने की सलाह दी जाती है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा कुबेर की दिशा मानी जाती है। इसलिए, यह धन, करियर और अवसर की दिशा भी मानी जाती है। यह दिशा तिजोरी रखने, ऑफिस या वर्कस्टेशन के लिए बिलकुल सही मानी जाती है। इससे आर्थिक स्थिरता, व्यापार में वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। उत्तर चुंबकीय ऊर्जा का स्रोत है, जो मानसिक स्पष्टता और निर्णय क्षमता को बढ़ाती है। उत्तर दिशा में मुख्य द्वार या ऑफिस होने से आर्थिक वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। अगर इस दिशा में दोष हो, तो आय में रुकावट और कर्ज की स्थिति पैदा हो जाती है।

पितृदोष से लेकर कई ग्रह दोषों का निवारणकरती है गाय

गााय का वर्णन हमरे पुराणोंमें है। इसके अलावा ज्योतिष में भी गायों को महत्व दिया गया है। शिवपुराण एवं स्कन्दपुराण में कहा गया है कि गोसेवा और गोदान से यमराज का भय नहीं रहता है। इसलिए हमें गायों की सेवा करनी चाहिए। शुभ कार्यों के लिए गोधूलि वेला खास बताई गई है। मंगल कार्यों के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त जब गाय चारा चरकर जंगल से वापस आती हैं, उस समयको गोधूलिवेला कहा जाता है। गाय को ज्योतिष में भी खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर गाय को रोटी खिलाएं और गाय की सेवा करें, तो कई ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। यहां पढ़ें गाय से किन जयोतिष दोषों में लाभ होता है। अगर आप किसी शुभ कार्य के लिएजा रहे हैं, तो आपको बछड़े को दूध पिताली हुई गाय मिल जाए, तो समझ लें कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, वो सफल हो जाएगा।

संयुक्ता मेनन ने पूरी की 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग

टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं। ' संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, 'योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है। उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूद सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, 'आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। '

अपारशक्ति ने एक समोसे के लिए तय किया दिल्ली से आगरा का सफर

अभिनेता अक्षय कुमार की सख्त डाइट और फिटनेस से हर कोई वाकिफ है। हाल ही में अभिनेता ने अपने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में बताया था कि उन्होंने पिछले 15 सालों से समोसा नहीं खाया है। दूसरी ओर अभिनेता अपारशक्ति खुराना समोसे की तलाश में आगरा जा पहुंचे। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें अभिनेता ने बताया कि उन्होंने आगरा का समोसा खाने के लिए दिल्ली से आगरा तक का सफर तय किया। वीडियो में अपारशक्ति आगरा के मशहूर समोसे का लुत्फ उठाते हुए कहते हैं कि उनका आगरा आना सफल हो गया। इसके बाद उन्होंने उस दुकान की मशहूर छेने की मिठाई भी खाई। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'आगरा के पेठे के बाद अब आगरा के समोसे तेरे पीछे तो मैं पूरी तरह से फिदा हो गया हूं। ' अपारशक्ति का यह वीडियो सभी को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर अपारशक्ति के दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में जमकर प्रतिक्रिया दी। म्यूजिशियन रोचक कोहली ने लिखा, 'आपका कुर्ता अच्छा लग रहा है।' अभिनेत्री दिलजोत ने लिखा, 'हमें भी चाहिए आगरा के समोसे।' जबकि, अभिनेता की पत्नी आकृति अहूजा ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेता हाल ही में फिल्म 'जब खुली किताब' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने आर.के. नेगी नाम के एक छोटे वकील का किरदार निभाया है। उनका किरदार एक इमोशनल और काम की तलाश में रहने वाले वकील का है, जो पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया के बुजुर्ग जोड़े के तलाक के मामले को संभालता है। यह फिल्म एक ऐसे वृद्ध जोड़े (गोपाल और अनुसूया) की कहानी है, जो पांच दशक साथ रहने के बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं, जिससे उनका परिवार हैरान रह जाता है।

'कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक', 'गली' सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज 'गली' की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में 'लैला' नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, ''लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।''

हंसिका ने कहा, ''लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है।

'संस्कारों पर टिके रहना चाहिए'

सूरज बड़जात्या ने अपनी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्या 'धुरंधर' जैसी फिल्मों के बीच, इस तरह की पारिवारिक फिल्में सफल हो सकती हैं या नहीं... सूरज बड़जात्या ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मैने प्यार किया' से की थी। इसके बाद उनकी दो और फिल्में 'हम आपके हैं कौन' और 'हम साथ-साथ हैं' भी ब्लॉकबस्टर रहीं। लेकिन साल 2003 में सूरज बड़जात्या की पहली फ्लॉप फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' रिलीज हुई। इसमें पहली बार उनकी फिल्म में सलमान खान नहीं थे। हाल ही में सूरज बड़जात्या ने बताया कि पहली फ्लॉप के बाद क्यों उन्हें लगा कि वो कहीं खो गए हैं। साथ ही उन्होंने 'विवाह' बनाने के पीछे के कारण के बारे में भी बात की।

हमारी असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है

स्क्रीन स्पॉटलाइट से बात करते हुए सूरज बड़जात्या ने 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म के फ्लॉप होने के बाद ऐसा लगा कि जैसे मैं कहीं खो गया हूं। लेकिन यही वजह है कि मैं प्रेम की दीवानी हूं मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सब इंसान हैं। हम सब सीखते हैं। हमारी हर असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है।

'लोग बुलाते हैं, पर बोलने को मना करते हैं'; फैंस ने की ये अपील

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर पर कसा तंज

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस खुलासे ने एक नई बहस को जन्म दिया है। रणवीर शौरी हाल ही में रजत कपूर की फिल्म 'एवरीबॉडी लव्स सोहराब हांडा' में नजर आए हैं। इसमें उनके साथ विनय पाठक भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दिए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया हासिल हुई है। इस बीच रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट को लेकर एक पोस्ट किया, जिसके बाद पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।

पॉडकास्ट को लेकर वायरल हुई रणवीर

शौरी की पोस्ट

अपनी बात बेबाकी से कहने के लिए मशहूर शौरी ने अपने प्रमोशन के दौरान का एक अनोखा अनुभव साझा किया। उन्होंने पॉडकास्ट को लेकर अपने एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैं किसी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए पॉडकास्ट पर आऊं और ज्यादा बात न करूं। इस दुनिया को खुश करना नामुमकिन है।' व्यंग्य से भरी रणवीर की यह टिप्पणी तुरंत वायरल हो गई। इस पर यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। वहीं पॉडकास्ट कल्चर को लेकर भी एक बहस शुरू हो गई।

'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल का नेगेटिव किरदार, बोलीं- ये चुनौतीपूर्ण रहा

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी।

उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें। '

एली अवराम ने आमिर और शाहरुख को लेकर कही ये बात

'बड़े स्टार्स के बारे में गलत है नए एक्टर्स की सोच'

एली अवराम ने फिल्मों में काम करने के अलावा कई आइटम नंबर भी किए हैं, जिनसे उन्हें सुर्खियां मिली हैं। एली पिछले लंबे वक्त से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और इस दौरान उन्हें कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ भी काम करने का मौका मिला है। हाल ही में एली अवराम ने स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने आमिर खान को लेकर अपनी राय भी रखी और बताया कि उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अपने काम को लेकर पेशेवर होते हैं स्टार्स

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान एली अवराम ने बड़े स्टार्स के बारे में अपनी राय साझा की। एक्ट्रेस ने बड़े स्टार्स को लेकर कहा कि उनसे मैंने एक बात सीखी है कि वे अपने काम का बहुत सम्मान करते हैं। उनमें बहुत अनुशासन है और वे बेहद विनम्र हैं। यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि वे अपने काम के प्रति कितने पेशेवर और समर्पित हैं और फिर भी आगे बढ़ना और बेहतर करना चाहते हैं।

बड़े सितारों के साथ काम करते हुए मैंने जो सबसे अच्छी बात देखी है, वह यह है कि मुझे कभी-कभी लगता है कि नए कलाकारों की इन स्टार्स के व्यवहार के बारे में जो सोच है, वह पूरी तरह गलत है। बड़े स्टार्स बहुत पेशेवर होते हैं, अपने साथ काम करने वालों के प्रति दयालु होते हैं, और वे नखरे नहीं दिखाते या अपनी धौंस नहीं जमाते।

2021 में आई फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने 'हर फन मौला' में आमिर खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी एली ने बात की। उन्होंने कहा कि आमिर खान एक परफेक्शनिस्ट होने के साथ-साथ बेहद विनम्र भी हैं। वह सबसे बात करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। वह आपकी राय की परवाह करते हैं और उस पर विचार भी करते हैं, उसे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं करते।

शाहरुख खान की बड़ी फैन हूं

एली अवराम ने सलमान खान और आमिर खान के साथ काम किया है, लेकिन उन्हें अभी तक शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला है। हालांकि, शाहरुख से उनकी मुलाकात हो चुकी है। शाहरुख से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए एली ने कहा कि मैं शाहरुख खान से पहली बार 2013 में एक रियलिटी शो के सेट पर मिली थी। वह वहां जज थे और मैं 'मिक्की वायरस' के प्रमोशन के लिए गई थी।

उन्होंने पोस्टर में मेरे लुक की तारीफ की। यह मेरे लिए एक यादगार पल था, क्योंकि मैं शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करना मेरे लिए मानो आखिरी मौका है। 'देवदास' पहली पूरी बॉलीवुड फिल्म थी, जो मैंने देखी। मुझे वह फिल्म इतनी पसंद आई कि मैं रो पड़ी, मेरे दोस्त शाहरुख खान के दीवाने हो गए थे। जिस दिन मैं उनके साथ काम करूंगी, स्वीडन में मेरे दोस्तों के लिए वह बहुत बड़ी बात होगी।

टीसीएस के बाद शिर्डी के डीमार्ट में धर्मांतरण का आरोप, बवाल बढ़ा, पुलिस जांच में जुटी

शिर्डी (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कथित धर्मांतरण को लेकर एक और विवाद सामने आया है। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में पहले से चल रही जांच के बीच अब शिर्डी के डीमार्ट स्टोर में भी इसी तरह के आरोपों ने तूल पकड़ लिया है। मामले के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बन गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शिर्डी स्थित डीमार्ट स्टोर में काम करने वाले एक युवक अश्विन पर आरोप है कि उसे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया। आरोप यह भी है कि स्टोर में ही कार्यरत एक अन्य कर्मचारी सोहेल मनियार ने कथित रूप से उसका 'ब्रेनवॉश' कर उसे धर्म बदलने के लिए उकसाया। मामले को तब और तूल मिला जब यह दावा किया गया कि संबंधित युवक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपना नाम बदलकर 'मुस्तफा' कर लिया है। हालांकि, इस दावे की अब तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ हिंदू संगठनों के पदाधिकारी डीमार्ट स्टोर पहुंचे और प्रबंधन से जवाब मांगा। बताया जा रहा है कि इस स्टोर में करीब 150 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसी माहौल में कथित धर्मांतरण के आरोप सामने आने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

महाराष्ट्र स्कूलों में मराठी अनिवार्य, उल्लंघन करने पर होगी मान्यता रद्द लगेगा जुर्माना

-शैक्षणिक सत्र शुरू होने के दो महीने के अंदर स्कूलों का किया जाएगा निरीक्षण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य कर दिया गया है। यहा मराठी न पढ़ाने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। यही नहीं, उनकी मान्यता भी रद हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जीआर के जरिए सभी स्कूलों में मराठी भाषा के अनिवार्य शिक्षण को सख्ती से लागू कर दिया है। यह चिंता जताई गई थी कि कई स्कूल विशेषकर केंद्रीय बोर्डों से संबद्ध स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जीआर में उल्लंघन करने पर एक लाख रुपए तक के जुर्माने समेत कठोर दंड की चेतावनी दी गई है। जीआर में कहा गया है कि महाराष्ट्र अनिवार्य मराठी भाषा शिक्षण अधिनियम, 2020 के तहत 2020-21 से सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10 तक मराठी एक अनिवार्य विषय है। यह सभी संस्थानों पर लागू होता है, चाहे वे किसी भी बोर्ड या माध्यम से संचालित हों। विभाग ने इस नियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए संभागीय उप शिक्षा निदेशकों को सक्षम प्राधिकारी नामित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के दो महीने के भीतर स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि यह तय किया जा सके कि उनमें मराठी पढ़ाई जा रही है या नहीं। उल्लंघन पाए जाने पर स्कूलों को नोटिस भेजा जाएगा और उनसे 15 दिनों के अंदर जवाब मांगा जाएगा। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख सौदेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख की सौदेबाजी से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह नेटवर्क राज्य के कई शहरों में सक्रिय है और सरोगेसी के नाम पर नियमों की खुली अवहेलना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गिरोह का संचालन एक निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि यह रैकेट निसंतान दंपतियों को सरोगेसी के नाम पर 7 से 15 लाख रुपए तक का सौदा कराता है। साथ ही महिलाओं की उम्र, शारीरिक बनावट और रंग-रूप के आधार पर उनकी कीमत तय करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस नेटवर्क में गरीब महिलाओं को पैसे का लालच देकर सरोगेट मदर बनाया जाता है। इनमें कुछ कुंवारी लड़कियां भी शामिल बताई जा रही हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें गुप्त स्थानों पर रखा जाता है ताकि सामाजिक दबाव या पहचान उजागर न हो। जन्म के बाद बच्चों को संबंधित दंपतियों को सौंप दिया जाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह केवल सरोगेसी तक सीमित नहीं है, बल्कि अवैध लिंग चयन और नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल है। इन गतिविधियों की निगरानी के लिए खुफिया कैमरों और डिजिटल साक्ष्यों का सहारा लिया गया है। बता दें भारत में व्यावसायिक सरोगेसी पूरी तरह प्रतिबंधित है। केवल परोपकारी सरोगेसी की अनुमति है, जिसमें सरोगेट महिला को कोई आर्थिक लाभ नहीं दिया जाता और वह अक्सर रिश्तेदार होती है। इसके बावजूद ऐसे अवैध नेटवर्क का सक्रिय रहना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 5 से 10 साल तक की सजा और भारी जुर्माने भी लगाया जाएगा। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने पूरे प्रदेश में अवैध क्लीनिकों और सरोगेसी से जुड़े सेंटरों पर निगरानी बढ़ा दी है।

पहलगाम में सुरक्षा का नया तरीका, अब क्यू आर कोड बताएगा कौन है आपको घुमाने वाला

जम्मू (एजेंसी)। पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए तकनीक का सहारा लिया है। सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से अब पारंपरिक पहचान पत्रों के स्थान पर क्यूआर कोड आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत पहाड़ी इलाकों में कार्यरत टैक्सी ड्राइवरों, पोनी हैंडलरों (खच्चर चलाने वाले), गाइडों और घुमंतू समुदाय के लोगों को विशिष्ट क्यूआर कोड जारी किए जा रहे हैं। यह क्यूआर कोड एक आईकार्ड की तरह गले में लटकाना अनिवार्य होगा। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसे मोबाइल या गूगल लेंस के जरिए स्कैन करते ही संबंधित व्यक्ति की पूरी जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाएगी। स्कैन करने पर व्यक्ति का नाम, पता, संपर्क नंबर, पहचान पत्र संख्या, पिन कोड और उसका पेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यह तकनीक न केवल सुरक्षाबलों के लिए मददगार है, बल्कि यहां आने वाले पर्यटक भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे स्कैन कर सकते हैं।

कांग्रेस और उसके सहयोग को लेकर आधी आबादी के मन में भारी आक्रोश

महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक चुनौती थी।

सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी सहयोगी हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है। वह आक्रोश समाजवादी पार्टी, राजद, टीएमसी, डीएमके और उन दलों का है जो इस पाप में भागीदार थे, उनके प्रति महिला का आक्रोश देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडी गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। उन्होंने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो, उनकी मांग के मुताबिक पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

योगी ने कहा कि कुछ राज्यों ने इसके बारे में मांग उठाई थी कि ऐसा न हो कि इसके जरिए उनके हक को कम कर दिया जाए। पीएम मोदी ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करते वक्त तय किया था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। 33 फीसदी आरक्षण के लिए अतिरिक्त सीट लोकसभा और विधानसभा में बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसी का हक कम नहीं होता, केवल एक ही इच्छा थी कि सदन मिल कर भारत की नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ संशोधन विधेयक पारित कर 2029 में उनका अधिकार दे दें।

सीएम योगी ने कहा कि जब भारत के संविधान का निर्माण हो रहा था तो उस समय भी धर्म के आधार पर आरक्षण देने की मांग उठी थी। सभी पक्षों ने इसका विरोध किया था। बाबासाहेब ने इसको लेकर बहुत तीखी टिप्पणी लिखी थी कि एक बार विभाजन हो गया है, भारत दूसरे विभाजन के लिए तैयार नहीं हो सकता। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसका विरोध किया था। सभी सदस्यों ने इसका विरोध किया था। आज जब वे मुस्लिम महिलाओं की बात करते हैं, तब वे कहां थे? शाह बानो प्रकरण में कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया।

मीटिंग के दौरान पवन कल्याण की बिगड़ी तबीयत, ऑपरेशन के बाद पीएम मोदी ने लिया हालचाल

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। इस घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर चिंता जताई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे फोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को एक बैठक के दौरान पवन कल्याण की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई। ऑपरेशन सफल रहा और डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम की सलाह दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पवन कल्याण से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट करते हुए लिखा कि पवन कल्याण बेहद साहसी हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वे जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना भी की। इस बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी पवन कल्याण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि वे सर्जरी के बाद जल्द स्वस्थ होकर अपने कार्यों पर लौटें। वहीं राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने भी उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की और शुभकामनाएं दीं। पवन कल्याण के राजनीतिक सचिव पी. हरिप्रसाद के अनुसार, वे पिछले कुछ महीनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। शुक्रवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान उन्हें तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए और अस्पताल पहुंचे। जांच में एमआरआई सहित कई परीक्षणों के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉक्टरों का कहना है कि पवन कल्याण को अब लगभग 7 से 10 दिन तक आराम करना होगा, जिसके बाद वे धीरे-धीरे अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू कर सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से स्वस्थ होने में अभी समय लग सकता है।

चुनाव आयोग ने सूची में जोड़े करीब सात लाख नए मतदाता, ममता ने ली राहत की सांस

-इससे हर एक सीट पर वोटर की बढ़ेगी संख्या, 23 और 29 अप्रैल को होना है मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 23 और 29 अप्रैल को मतदान से पहले ममता बनर्जी को राहत मिली है। चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में करीब सात लाख नए मतदाताओं को शामिल कर लिया है। इस बढ़ोतरी के साथ राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6,82,51,008 हो गई है। आयोग ने इन नए मतदाताओं की आयु, लिंग या अन्य विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सात लाख नए मतदाताओं में से करीब 3.22 लाख पहले चरण के मतदान में भाग लेंगे, जबकि बाकी 3.88 लाख दूसरे चरण में वोट डाल सकेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने हैं। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 विधानसभा क्षेत्रों में और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को शेष 142 क्षेत्रों में मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इन नए शामिल मतदाताओं में कितने 18 साल पूरे कर चुके युवा हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। साथ ही, फॉर्म-6 के जरिए प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या और उनमें से कितने आवेदन अस्वीकृत किए गए, इसकी कोई जानकारी नहीं दी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल आंकड़े मानदंडों के अनुरूप जारी किए गए हैं। विस्तृत आंकड़े तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बाद में साझा किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद मतदाता सूची में और नाम जुड़ सकते हैं, जिससे कुल संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी राज्य में चल रहे एसआईआर के बाद हुई है। एसआईआर अभियान के दौरान मृतक, प्रवासी, डुप्लिकेट और अनट्रेसेबल मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर में कुल 90 लाख से ज्यादा नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिसके बाद कुल मतदाताओं की संख्या पहले 7.66 करोड़ से घटकर करीब 6.8 करोड़ के आसपास पहुंच गई। ऐसे में सात लाख नए नामों का जुड़ना चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। बता दें टीएमसी समेत विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उनका दावा था कि बड़ी संख्या में नाम हटाने से कई योग्य मतदाता वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।

तमिलनाडु में 'हीरो बनाम विलेन' की सियासत के साथ ही चुनाव बना व्यक्तिगत इमेज की जंग

-द्रमुक और अन्नाद्रमुक ने नेताओं को 'जननायक' बनाम 'खलनायक' के रूप में पेश किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच राजनीति का रंग अब दिलचस्प मोड़ लेता दिख रहा है। यहां पारंपरिक मुद्दों के साथ-साथ 'अभिनेता बनाम खलनायक' की सियासत भी चरम पर पहुंच गई है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) अपने-अपने नेताओं की व्यक्तिगत छवि को जनता के बीच मजबूत करने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना रहे हैं।

द्रमुक अपने नेता और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को विकास और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में पेश कर रही है। पार्टी के प्रचार में स्टालिन को एक ऐसे नेता के तौर पर दिखाया जा रहा है, जो महिला कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी छवि को केंद्र में रखकर

मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश हो रही है।

वहीं दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक अपने नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को 'जननायक' और मजबूत प्रशासक के रूप में प्रस्तुत कर रही है। पार्टी का दावा है कि वह राज्य में बेहतर शासन और विकास का विकल्प पेश कर रही है। साथ ही, द्रमुक पर आरोप लगाया जा रहा है कि वह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए छवि आधारित राजनीति कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई नई रणनीति नहीं है। राज्य में लंबे समय से नेताओं को 'हीरो' और विरोधियों को 'विलेन' के रूप में पेश करने की परंपरा रही है, जो यहां की फिल्म संस्कृति से भी प्रभावित है। यही कारण है कि चुनावी मुकाबला केवल नीतियों और वादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह जनभावनाओं और छवि निर्माण की जंग भी बन जाता है। इस बार के चुनाव में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है, जहां दोनों प्रमुख दल अपने-अपने नेताओं को सकारात्मक रूप में पेश करते हुए विरोधियों की छवि को कमजोर करने में जुटे हैं। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जनधारणा और व्यक्तित्व की लड़ाई के रूप में भी देखा जा रहा है।

मुश्किल है मौसम का मिजाज भांपना : कहीं लू का कहर तो कहीं बारिश और बर्फबारी का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में देश के एक बड़े हिस्से को भीषण गर्मी और लू का सामना करना पड़ेगा, जबकि कुछ राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान से राहत मिलने के आसार हैं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के लिए लू की चेतावनी जारी की गई है। इन इलाकों में दिन के समय चलने वाली तेज गर्म हवाएं जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं।

उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। पूर्वी भारत में भी पारा 2 से 3 डिग्री तक चढ़ने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गर्मी के साथ-साथ भारी उमस लोगों की मुश्किलें बढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में गर्म रातों का दौर जारी रहने की संभावना है, जिससे लोगों को चौबीसों घंटे गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

पीएम मोदी ने न केवल झूठ का पुलिंदा खोला बल्कि आचार संहिता का भी उल्लंघन किया: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया था। उनके संबोधन में कही गई बातों को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झूठ का पुलिंदा बताया है। इसके साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा की पीएम मोदी आचार संहिता का भी उल्लंघन किया है।

उन्होंने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे गरिमा के विपरीत बताया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने एक आधिकारिक मंच का उपयोग विशुद्ध रूप से राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें विरोधियों पर कीचड़ उछालने और असत्य दावों के सिवाय कुछ नहीं था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए खड़गे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में अपनी कोई ठोस उपलब्धि न दिखा पाने के कारण प्रधानमंत्री हताशा और निराशा में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव आचार संहिता लागू है, तब भी प्रधानमंत्री ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर अपने विरोधियों पर निशाना साधा, जो लोकतंत्र और भारतीय संविधान का खुला अपमान है। खड़गे ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में 59 बार कांग्रेस का जिक्र किया, जबकि महिलाओं का नाम बमुश्किल ही लिया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट हो जाती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के लिए महिलाएं कभी प्राथमिकता में नहीं रहीं और केवल कांग्रेस ही वास्तव में उनके साथ खड़ी है।महिला आरक्षण के मुद्दे पर खड़गे ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हमेशा इस दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पारित करवाया था ताकि वह निष्प्रभावी न हो, लेकिन भाजपा तब इसे लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने मांग की कि सरकार 2023 के कानून के तहत मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू करे और इसे परिसीमन के बहाने न टाले। अपनी पार्टी की विरासत का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि हरित क्रांति से लेकर सूचना के अधिकार, मनरेगा और खाद्य सुरक्षा जैसे ऐतिहासिक कानून कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने हाथरस, उन्नाव और महिला पहलवानों के मामलों का उदाहरण देते हुए भाजपा पर महिला-विरोधी होने का आरोप लगाया। खड़गे ने अंत में कहा कि 12.5 साल सत्ता में रहने के बाद भी सरकार महंगाई और गिरती अर्थव्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों का समाधान निकालने में पूरी तरह विफल रही है।

भारतीय वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत ने अमेरिकी एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट उड़ाया

-यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ़ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 9 अप्रैल को नेवादा में नेलिस एयर फ़ोर्स बेस के अपने दौरे के दौरान, बोइंग एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट में अमेरिकी वायु सेना के मेजर मैथ्यू बेन्सन के साथ उड़ान भरी, जो 85वीं टेस्ट और मूल्यांकन स्क्वाड्रन के पायलट हैं। इस उड़ान ने भारतीय वायु सेना प्रमुख को अमेरिका के बेड़े में मौजूद सबसे उन्नत फाइटर प्लेटफॉर्म में से एक को करीब से देखने का मौका दिया, यह प्लेटफॉर्म हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई श्रेष्ठता बनाए रखने और अभियानों में सहायता करने में अहम भूमिका निभाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफ-15ईएक्स ईगल-2 अमेरिका के प्रमुख हवाई श्रेष्ठता फाइटर का नवीनतम संस्करण

है, जिसे अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सहयोगात्मक रक्षा के लिए जरुरी प्लेटफार्म में से एक मानता है। यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा थी; यह बेस अमेरिका एयर फ़ोर्स के लिए एडवांस्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग और ऑपरेशनल टेस्टिंग का एक अहम केंद्र है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस अनुभव से भारतीय एयर चीफ को विमान की क्षमताओं और आधुनिक हवाई युद्ध में उसकी भूमिका को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिला।

इस यात्रा के दौरान सिंह ने अमेरिकी एयर फोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत की, जिनमें अमेरिकी एयर फ़ोर्स वॉरफ़ेयर सेंटर के कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपरसन भी शामिल थे। एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी आईएएफ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। बातचीत का मुख्य जोर दोनों वायु सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास के अवसरों को बढ़ाने और आधुनिकीकरण के प्रयासों में तालमेल बिठाने पर रहा। इन चर्चाओं में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मज़बूत बनाने की जरूरत पर भी ज़ोर दिया गया।

भारत और चीन में बढ़ रही नजदीकियां: एससीओ की बैठक हुई, अब जिनपिंग कर सकते हैं दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से सुधरते कूटनीतिक रिश्तों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित हुआ है। दोनों देशों ने 16-17 अप्रैल को अपनी पहली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्विपक्षीय वार्ता आयोजित की। साल 2024 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के सफलतापूर्वक सुलझने के बाद, इस उच्च स्तरीय बैठक को द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वार्ता के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने एससीओ नेताओं द्वारा लिए गए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन और संगठन की भविष्य की रूपरेखा पर गहन चर्चा की। भारत और चीन ने एससीओ से जुड़े विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर आपसी विचार-विमर्श जारी रखने और सहयोग को अधिक सुदृढ़ करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने संयुक्त रूप से विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एससीओ ढांचे के भीतर सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा विवाद सुलझने के बाद से दोनों देश ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता से साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बीजिंग ने भारत की मौजूदा ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन जताया है। इसी कड़ी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के मई के मध्य में भारत आने की संभावना है, जबकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत दौरे की उम्मीद जताई जा रही है। ये दौरे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बर्फ पिघलने का स्पष्ट संकेत देते हैं। एससीओ के प्रति भारत का रुख सदैव स्पष्ट और सैद्धांतिक रहा है। भारत इस यूरेशियन समूह में अपनी सदस्यता को अत्यंत महत्व देता है और उसका मानना है कि इस संगठन का मूल उद्देश्य क्षेत्र में आतंकवाद, कट्टरपंथ और उग्रवाद का डटकर मुकाबला करना होना चाहिए। साथ ही, भारत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (संपर्क) को बढ़ावा देने का पक्षधर है, लेकिन उसकी यह स्पष्ट शर्त है कि ऐसी कोई भी पहल सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले शिखर सम्मेलनों में यह कड़ा संदेश दिया था कि संप्रभुता को दरकिनार कर शुरू की गई कोई भी कनेक्टिविटी पहल अपना भरोसा और सार्थकता खो देती है। फिलहाल, यह द्विपक्षीय वार्ता एशिया की इन दो बड़ी शक्तियों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया को नई गति प्रदान कर रही है।

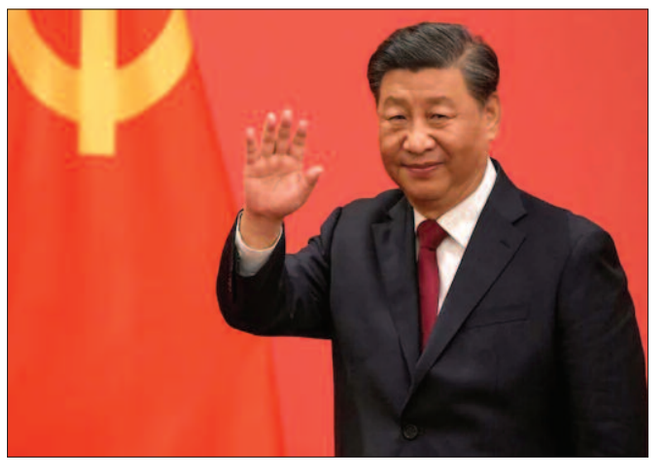

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)